राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार, 10 अगस्त 2022 वर्ष-5,अंक-195 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केरल में बरपा अफ्रीकन स्वाइन फ्लू का कहर,

अब तक मार दिए गए 700 से अधिक सुअर, किसानों को मिलेगा लाखों का मुआवजा

वायनाड, (केरल) । केरल के वायनाड और अन्य पड़ोसी जिलों में अफ्रीकन स्वाइन के मामले सामने आए हैं। इससे यहां डर का माहौल है। इसे फैलने से रोकने के लिए सुअरों को मारने के आदेश दिए गए हैं। इस निर्देश के अनुसार इन क्षेत्रों में अब तक 700 से अधिक से सुअर मार दिए गए हैं। इसकी क्षतिपूर्ति के रूप में जिले के तीन अलग-अलग इलाकों में सात किसानों को 37 लाख रुपये से अधिक की राशि मुआवजे के रूप में दिए जाने का ऐलान किया गया है।

मुआवजे का वितरण इस दिन होगा-जिला प्रशासन कार्यालय की तरफ से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, राज्य के पशुपालन और डेयरी विकास मंत्री जे चिंचुरानी मानंतवाडी नगरपालिका के साथ-साथ थविंजल और नेनमेनी ग्राम पंचायतों में प्रभावित किसानों को 37,07,752 रुपये मुआवजे के रूप में देंगे। इन्हीं इलाकों में कुल 702 सूअरों को मारा गया है।

राज्य सरकार की तरफ से पिछले हफ्ते किए गए ऐलान के बाद कि अफ्रीकन स्वाइन फीवर की वजह से नुकसान झेल रहे वायनाड और कन्नूर जिले के किसानों को इसी महीने मुआवजे की राशि दे दी जाएगी, यह घोषणा की गई है।

इस दौरान राज्य सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया था कि वह मुआवजे की पूरी राशि का भुगतान कर देगी और केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में किए जाने वाले आवंटन की प्रतीक्षा नहीं करेगी। आमतौर पर मुआवजे की राशि का वहन केंद्र और राज्य सरकार मिलकर करते हैं। इस बीच, संबंधित जिलों के पशु कल्याण विभागों के अधिकारियों को उन किसानों का आकलन करने के लिए कहा गया जो इस महामारी से प्रभावित हुए हैं।

सात पार्टियों का महागठबंधन और एक निर्दलीय एक साथ काम करेगा : नीतीश कुमार

पटना । बिहार की सियासत में हुए बड़े बदलाव के अंतर्गत नीतीश कुमार ने राज्यपाल फागू चौहान के साथ आज अपनी दूसरी बैठक के बाद कहा, 'सात पार्टियों का महागठबंधन और एक निर्दलीय एक साथ काम करेगा।' राज्यपाल के साथ पहली मुलाकात में उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दिया था। इसके एक घंटे से भी कम समय बाद वे फिर राज्यपाल से मिले, इस बार उनके साथ तेजस्वी यादव व अन्य विपक्षी नेता थे। उन्होंने अपनी संयुक्त ताकत के आधार पर नई सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किए जाने का दावा पेश किया।

इससे पहले नीतीश कुमार ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। मंगलवार सुबह जेडीयू विधायकों और सांसदों की बैठक के बाद नीतीश कुमार ने बीजेपी के साथ गठबंधन तोड़ने का ऐलान किया था। इसके बाद आरजेडी-कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर उनके फिर से सरकार बनाने के कयास पुख्ता हो गए थे।

राजनीतिक गहमागहमी से भरे दिन में नीतीश मंगलवार दोपहर करीब 3.45 बजे राज्यपाल फागू चौहान से मिलने के लिए निकले। उन्होंने मुख्यमंत्री आवास से करीब 500 मीटर दूर राजभवन जाकर राज्यपाल से मुलाकात की और अपना त्यागपत्र सौंप दिया। नीतीश जब राजभवन पहुंचे तो उसके बीच समर्थकों की भारी भीड़ 'जिंदाबाद' के नारे लगा रही थी। नीतीश कुमार बाद में तेजस्वी यादव से मिलने के लिए बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी के आवास के लिए निकल गए। सूत्रों के अनुसार, राबड़ी देवी के घर से निकलने के बाद तेजस्वी और नीतीश कुमार साथ-साथ बाहर आए। इसके बाद राष्ट्रीय जनता दल, लेफ्ट पार्टी और कांग्रेस के विधायक सीएम आवास पर पहुंचे। जहां नए गठबंधन के विधायक दलों की बैठक शुरू हुई। इसमें नीतीश कुमार को महागठबंधन के विधायक दल का नेता चुना गया। जेडीयू की विधायक दल की बैठक में नीतीश ने बीजेपी पर उन्हें अपमानित करने का आरोप लगाया। साथ ही उनकी पार्टी तोड़ने की तोहमत भी मढ़ी।बता दें, वर्ष 2017 तक आरजेडी के तेजस्वी यादव और उनके भाई तेज प्रताप यादव, नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री थे।

बिहार में सत्ता में सहयोगी रहे जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के बीच का तनाव चरम पर पहुंच गया था। नीतीश कुमार का मानना था कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह लगातार जेडीयू को विभाजित करने के लिए काम कर रहे हैं। नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी के पूर्व नेता आरसीपी सिंह पर अमित शाह के मोहरे के रूप में काम करने का आरोप लगाया था। जेडीयू की ओर से भ्रष्टाचार का आरोप लगाए जाने के बाद आरसीपी ने पिछले सप्ताह के अंत में जेडीयू से इस्तीफा दे दिया था। वर्ष 2017 में आरसीपी ने नीतीश कुमार के प्रतिनिधि के तौर पर जेडीयू कोटे से केंद्रीय मंत्रिमंडल ज्वॉइन किया था। बाद में नीतीश ने उनका राज्यसभा का कार्यकाल नहीं बढ़ाया जिसके कारण आरसीपी को केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था।

दाऊद के सहयोगी से धनराशि लेने के आरोप में दो व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की गिरफ्तारी से बचाने के वादे के साथ भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के एक सहयोगी से कई लाख रुपये लेने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मोहम्मद सलीम मोहम्मद इकबाल कुरैशी उर्फ सलीम फ्रूट को 4 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था जो इब्राहिम और उसके सहयोगियों के खिलाफ धनशोधन, मादक पदार्थ आतंकवाद, तस्करी आदि से जुड़े एक मामले की जांच के सिलसिले में जांच एजेंसियों के रडार पर था। मुंबई पुलिस के जबरन वसूली रोधी इकाई के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने विशाल देवराज सिंह उर्फ विशाल काले और जफर उस्मानी को सलीम फ्रूट से कई लाख रुपये लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने कहा कि दोनों ने रुपये इस नाम पर लिये कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि उसे एनआईए नहीं पकड़े। सूत्रों ने कहा कि हालांकि इसका खुलासा नहीं किया गया है कि दोनों ने कितनी राशि ली लेकिन सूत्रों ने कहा कि यह करीब 50 लाख रुपये हो सकती है। उन्होंने कहा, ''जब सलीम फ्रूट जांच एजेंसियों के रडार पर था, तो दोनों आरोपी उसके पास पहुंचे और पैसे लिये।'' एनआईए ने गत 3 फरवरी को भगोड़े गैंगस्टर दाऊद

इब्राहिम और उसके सहयोगियों द्वारा तस्करी, नार्को-आतंकवाद, धनशोधन, जाली मुद्रा के प्रचलन, आतंकी वित्तपोषण और लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और अल कायदा सहित अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों के साथ सक्रिय सहयोग में काम करने जैसी आतंकवादी और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित मामला दर्ज किया था।

'मुफ्त की घोषणाओं' के समर्थन AAP ने उठाए सुर, PIL के खिलाफ SC का किया रुख

नई दिल्ली। चुनाव के दौरान 'मुफ्त' की घोषणाओं या फ्रीबीज का मुद्दा गर्माया हुआ है। इसी बीच जनहित याचिका के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने भी सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। पार्टी की तरफ से मुफ्त बिजली और मुफ्त पानी जैसी चुनावी घोषणाओं को 'असमान समाज' के लिए अहम बताया गया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने यह पाया था किसी भी पार्टी की तरफ से संसद में इसे लेकर बहस की संभावनाएं नहीं हैं, क्योंकि सभी इसे जारी रखना चाहते हैं। भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई के पूर्व प्रवक्ता अश्विनी उपाध्याय की तरफ से दायर जनहित याचिका में राजनीतिक दलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई थी। इधर, आप का कहना है कि मुफ्त पानी, मुफ्त बिजली या मुफ्त परिवहन फ्रीबीज नहीं है,

बल्कि असमाना समाज के लिए ये बेहद जरूरी हैं। 3 अगस्त को उपाध्याय की याचिका पर विचार करते हुए सीजेआई एनवी रमणा ने कहा था कि कोई भी सियासी दल फ्रीबीज को जाने नहीं देना चाहता, यहां तक कि केंद्र सरकार ने भी इसे 'आर्थिक आपदा का रास्ता' बताया था। उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग से इस परेशानी से निपटने के लिए रास्ते तलाशने की अपील की थी। आप ने आरोप लगाया कि याचिकाकर्ता (उपाध्याय) एक विशेष राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए जनहित याचिका माध्यम का उपयोग करने का प्रयास कर रहे हैं। अर्जी में कहा गया है कि याचिकाकर्ता ने किसी विशेष सत्तारूढ़ दल के साथ अपने वर्तमान या पिछले संबंधों का खुलासा नहीं किया है और इसके बजाय खुद को एक 'सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता' के रूप में पेश किया है। अर्जी में कहा गया है, 'याचिकाकर्ता के सत्तारूढ़ भाजपा के साथ मजबूत संबंध हैं और वह पूर्व में इसके प्रवक्ता और इसकी दिल्ली इकाई के नेता के रूप में कार्य कर चुके हैं। जनहित के नाम पर याचिकाकर्ता की याचिकाएं, अक्सर पार्टी के राजनीतिक एजेंडा से प्रेरित होती हैं तथा पूर्व में इस न्यायालय की आलोचना के दायरे में आए हैं।'

भाजपा नेता ज्ञानेंद्र प्रसाद का बंद कमरे में पंखे से लटका मिला शव; हत्या या आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद। भाजपा की तेलंगाना यूनिट के एक नेता का शव हैदराबाद स्थित उनके घर पर मिला है। शुरुआती तौर पर इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। पुलिस के मुताबिक सेरलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र से पार्टी की राज्य कार्यकारिणी समिति के सदस्य ज्ञानेंद्र प्रसाद (45) अपने पेंटहाउस के एक कमरे में पंखे से लटके पाए गए। उनके निजी सहायक ने इस बात की सूचना पुलिस को दी।

भाजपा नेता के आत्महत्या करने के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि एक महीने पहले एक दुर्घटना में ज्ञानेंद्र प्रसाद के पैर में फ्रैक्चर हो गया था। पुलिस के मुताबिक सोमवार सुबह ज्ञानेंद्र प्रसाद ने अपने निजी सहायक से कहा कि वह उसे परेशान न करें, क्योंकि वह सोने जा रहे हैं।

पोस्ट-मार्टम ले लिए भेजा गया शव-अधिकारियों ने बताया कि कुछ समय बाद जब सहायक उन्हें नाश्ता देने कमरे में गया और दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद निजी सहायक ने कमरे की खिड़की के शीशे तोड़े तो प्रसाद को मृत पाया। बीजेपी लीडर के शव को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका पोस्ट-मार्टम होना है। वहीं, पुलिस ने भाजपा नेता के परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच जारी है। बात अगर तेलंगाना में जारी राजनीतिक हलचल की करें तो राज्य में कांग्रेस विधायक के. राजगोपाल रेड्डी ने सोमवार को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। मुनुगोड़े सीट से विधायक रेड्डी ने विधानसभा अध्यक्ष पी. एस. रेड्डी को अपना इस्तीफा सौंपा, जिसे अध्यक्ष ने स्वीकार कर लिया। हाल में कांग्रेस छोड़ने वाले रेड्डी 21 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे।

बंगाल की खाड़ी में बना लो प्रेशर एरिया, इन राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बने डिप्रेशन के कारण कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना है। कुछ राज्यों में तेज बारिश के कारण स्थिति खराब हो रही है तो राज्य में बारिश की गतिविधियों में थोड़ी कमी आई है। मौसम के मुताबिक आज ओडिशा और उसके पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने इन राज्यों के अलग अलग जिलों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी हिमालय, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, राजस्थान, तटीय आंध्र प्रदेश, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, लक्षद्वीप और हरियाणा और पंजाब के एक या दो स्थानों पर हल्की बारिश संभव है। दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों की बात करें तो मंगलवार को छिटपुट बादलों की

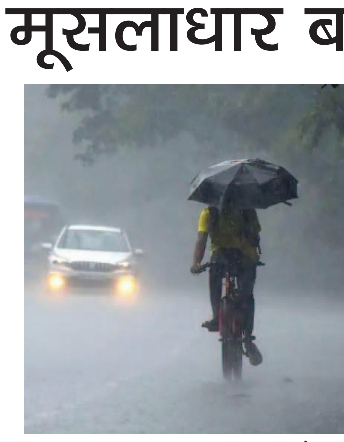

आवाजाही देखने को मिल सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना। दिन के समय हवा की रफ्तार 16 किलोमीटर प्रति घंटे तक की हो सकती है।

इन राज्यों में भारी बारिश की संभावना-स्काईमेट वेदर के मुताबिक कोंकण, गोवा, दक्षिण गुजरात, मध्य महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश संभव है। ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, विदर्भ, मराठवाड़ा, तेलंगाना के कुछ हिस्सों, तटीय कर्नाटक, दक्षिण-पूर्व राजस्थान और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पूर्वोत्तर भारत, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड के कुछ हिस्सों, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, केरल और सौराष्ट्र और कच्छ में हल्की से मध्यम बारिश संभव है।

ओडिशा में भारी बारिश की चेतावनी, रेड अलर्ट जारी-बंगाल की खाड़ी के आसपास 44-55 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के आसार हैं. इसके चलते, गुरुवार सुबह तक मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने सोमवार को खुर्दा, पुरी, रायगड़, कालाहांडी, गजपति, गंजम, नयागढ़, कंधमाल, नबरंगपुर, मलकानगिरी और कोरापुट जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, कटक, बालासोर, भद्रक, बोलांगीर, अंगुल, ढेंकनाल, जाजपुर, जगतसिंहपुर, केंद्रपाड़ा और सुबरनापुर में भी कुछ स्थानों पर मूसलाधार बारिश होने की संभावना है। मंगलवार को बरगढ़, संबलपुर, देवगढ़ के कुछ इलाकों में अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।

टीम शिंदे-फडणवीस में अब 18 मंत्री हैं, तीन दागी, लेकिन कोई महिला नहीं

मुंबई । महाराष्ट्र में टीम शिंदे-फडणवीस का विस्तार हुआ। टीम में मंगलवार को 18 सदस्यों को शामिल किया गया। हालांकि बहुप्रतीक्षित मिनी कैबिनेट विस्तार के तुरंत बाद, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के टीम में एक भी महिला को शामिल नहीं करने और कथित तौर पर तीन दागी विधायकों को शामिल करने के लिए विभिन्न हलकों से आलोचना का सामना करना पड़ा। इसके साथ, शिंदे और भाजपा के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस सहित कैबिनेट मंत्रियों की संख्या 20 हो गई है - 43 की कुल संख्या के आधे से भी कम। मंगलवार की कवायद का उद्देश्य 17 अगस्त से शुरू हो रहे विधानसभा के आगामी मानसून सत्र को आगे बढ़ाना था, और विस्तार के अगले चरण में कुछ कैबिनेट रैंक और अन्य राज्य मंत्री के रूप में बाद में किए जाएंगे। शिंदे समूह (तीन) और भाजपा (12) दोनों में कई महिला विधायकों की मौजूदगी के बावजूद, दोनों पक्षों ने उनकी उपेक्षा की है। हालांकि, तीन कथित रूप से दागी विधायक, शिंदे खेमे के दो और भाजपा के एक विधायक, अब मंत्री हैं - अब्दुल सत्तार, संजय राठौड़ (शिंदे समूह) और भाजपा के विजयकुमार गावित। शिवसेना नेता किशोरी पेडनेकर और भाजपा की चित्रा वाघ ने राठौड़ को शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री की खिंचाई की है - जो पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली तत्कालीन महा विकास अघाड़ी सरकार में मंत्री थे। पुणे स्थित सोशल मीडिया स्टार पूजा चव्हाण की मौत के बाद फरवरी 2021 में राठौड़ को पद छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। सत्तार के परिवार के सदस्य का नाम टीईटी घोटाले की चल रही जांच में सामने आया है, लेकिन उन्होंने किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है और किसी भी जांच का सामना करने की इच्छा व्यक्त की है। 2002 और 2006 के बीच आदिवासी विभाग में कथित 6,000 करोड़ रुपये के घोटाले में भाजपा के गावित का नाम था। इस बीच, राकांपा लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले और शिवसेना की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शिंदे-फडणवीस को मंत्रिमंडल में शामिल करने में विफल रहने पर निशाना साधा। आलोचना का जवाब देते हुए, फडणवीस ने बाद में आश्वासन दिया कि राज्य मंत्रिमंडल में महिला विधायकों को जल्द ही प्रतिनिधित्व दिया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार — मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है। - चाणक्य

संपादकीय

बांग्लादेश को बचाए भारत

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

श्रीलंका और पाकिस्तान की विकट आर्थिक स्थिति पिछले कुछ माह से चल ही रही है और अब बांग्लादेश भी उसी राह पर चलने को मजबूर हो रहा है। जिस बांग्लादेश की आर्थिक प्रगति दक्षिण एशिया में सबसे तेज मानी जा रही थी, वह अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोश के सामने पाकिस्तान की तरह झोली फैलाने को मजबूर हो रहा है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भी ढाका का खाली चक्कर लगा लिया लेकिन इस समय बांग्लादेश इतने बड़े कर्ज में डूब गया है कि 13 हजार करोड़ रु. का कर्ज चुकाने के लिए उसके पास कोई इंतजाम नहीं है। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ताइवान के मसले पर चीन को मक्खन लगाने के लिए कह दिया कि वह 'एक चीन नीति' का समर्थन करता है लेकिन वांग यी ने अपनी जेब जरा भी ढीली नहीं की। अंतरराष्ट्रीय कर्ज चुकाने और विदेशी माल खरीदने के लिए हसीना सरकार ने तेल पर 50 प्रतिशत टेक्स बढ़ा दिया है। रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीज़ों के दाम कम से कम 10 प्रतिशत बढ़ गए हैं। लोगों की आमदनी काफी घट गई है। कोरोना की महामारी ने बांग्लादेश के विदेश व्यापार को भी धक्का पहुंचाया है। बांग्ला टका याने रुपए का दाम 20 प्रतिशत गिर गया है। इस देश में 16-17 करोड़ लोग रहते हैं लेकिन टैक्स भरनेवाले की संख्या सिर्फ 23 लाख है। इस साल तो वह और भी घटेगी। अभी तक ऐसा लग रहा था कि पूरे दक्षिण एशिया में भारत के अलावा बांग्लादेश ही आर्थिक संकट से बचा है लेकिन अब वहां भी श्रीलंका की तरह जनता ने बगावत का झंडा थाम लिया है। ढाका के अलावा कई शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए हैं। इसमें शक नहीं कि विरोधी नेता इन प्रदर्शनों को खूब हवा दे रहे हैं लेकिन असलियत यह है कि श्रीलंका और पाकिस्तान की तरह बांग्ला जनता भी अपने ही दम पर अपना गुस्सा प्रकट कर रही है। बांग्लादेश की मदद के लिए उससे गाढ़ी मित्रता गांठनेवाला चीन भी दुबका हुआ है लेकिन शेख हसीना की सही सहायता इस समय भारत ही कर सकता है। पिछले 30 साल में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से पाकिस्तान ने 12 बार, श्रीलंका ने 6 बार और बांग्लादेश ने सिर्फ 3 बार कर्ज लिया है। भारत ने इन तीन दशकों में उससे कभी भी कर्ज नहीं मांगा है। भारत के पास विदेशी मुद्रा कोश पर्याप्त मात्रा में है। वह चाहे तो पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश को अराजकता से बचा सकता है। इस समय इन देशों को धार्मिक आधार पर अपने परिवार का बतानेवाले कई मुस्लिम और बौद्ध राष्ट्र भी कन्नी काट रहे हैं। ऐसी विकट स्थिति में भारत इनका त्राता सिद्ध हो जाए तो पूरे दक्षिण और मध्य एशिया के 16 राष्ट्रों को एक बृहद् परिवार में गूंथने का काम भारत कर सकता है।

सावन के महिने में यादों के झूले

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

भारत की शान तिरंगा हमें अपने प्राणों से भी प्यारा है।इस तिरंगे के लिए हम भारतीय हंसते हंसते अपने प्राणों का बलिदान दे देते है।आजादी के अमृत महोत्सव के समापन पर इस बार के स्वाधीनता पर्व को तिरंगे के प्रति समर्पित किया जा रहा है।भाजपा घर घर तिरंगा अभियान चला रही है तो कांग्रेस तिरंगा यात्रा के माध्यम से राष्ट्र भक्ति का पैगाम घर घर पहुंचा रही है।तिरंगे का इतिहास भी निराला है।तिरंगा यानि भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को इसके वर्तमान स्वरूप में 22 जुलाई सन1947 को आयोजित भारतीय संविधान सभा की बैठक के दौरान अपनाया गया था।इस तिरंगे को 15 अगस्त सन1947 और 26 जनवरी सन1950 के बीच भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया था। तिरंगे का डिजाइन आंध्रप्रदेश के पिंगली वैंकैया ने बनाया था। राष्ट्र ध्वज तीन रंगों से मिलकर बना है- जिसमें केसरिया, सफेद और हरे रंग है। वर्तमान के राष्ट्रीय ध्वज से पहले भी कई राष्ट्र ध्वज बन चुके हैं। सन 1921 में पिंगली वेंकैया ने केसरिया और हरा झंडा बनाया था। फिर जालंधर के लाला हंसराज ने इसमें चर्खा जोड़ा और गांधीजी ने सफेद पट्टी जोड़ने का सुझाव दिया था।सबसे पहले लाल, पीले और हरे रंग की हॉरिजॉन्टल पट्टियों पर बने झंडे को 7 अगस्त सन 1906 को पारसी बागान चौक (ग्रीन पार्क), कोलकाता में फ्हराया गया था।उंक्त ध्वज फैहराते समय गाए गए वंदे मातरम में हजारों की भीड़ जुटी थी।दूसरे ध्वज को सन1907 में पेरिस में मैडम कामा और उनके साथ निकाले किए गए कुछ क्रांतिकारियों ने फ्हराया गया था। यह पहले ध वज की तरह ही था। इसमें सबसे ऊपर बनी पट्टी पर सात तारे सप तऋषि को दर्शाते थे जबकि एक कमल था। तीसरा ध्वज सन 1917 में डॉ. एनी बीसेंट और लोकमान्य तिलक ने घरेलू शासन आंदोलन के दौरान इसे फ्हराया।इस ध्वज में 5 लाल और 4 हरी क्षैतिज पट्टियां एक के बाद एक और सप तऋषि के स्वरूप में इस पर बने सात सितारे थे।बाईं ओर ऊपरी किनारे पर यूनियन जैक था और दाईं तरफऊपरी किनारे पर सफेद अर्धचंद्र और सितारा बना था।चौथा ध्वज अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सत्र के दौरान सन 1921 में बेजवाड़ा में फहराया गया था। यह दो रंगों लाल और हरे से बना था जो हिंदू और मुस्लिम दोनों समदायों को दर्शाता था।गांधी जी ने यह सुझाव दिया था कि भारत के बाकी का प्रतिनिधित्व करने के लिए इसमें एक सफेद पट्टी और एक चलता हुआ चरखा होना चाहिए। पांचवा ध्वज सन1931 में फहराया गया। यह ध्वज भारतीय राष्ट्रीय सेना का संग्राम चिन्ह भी था।लेकिन अंततः 22 जुलाई सन 1947 को आया केसरिया, सफेद और हरा रंग का झंडा अपनाया। इसके बीचों बीच अशोक चक्र भी बना है, जिसमें 24 तिल्लियां होती हैं। तिरंगे को इंडियन नेशनल कांग्रेस ने भारत के स्वतंत्र होने से कुछ समय पहले ही अपना लिया था।यानि हम कह सकते है कि मौजूदा तिरंगा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की देन है। जिसके प्रति पूरा देश श्रद्धा भाव रखता है। 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा झंडा ऊंचा रहे हमारा' श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' द्वारा रचित इस लोकप्रिय गीत का सौंदर्यशास्त्र तिरंगे पर ही आधारित है। परंतु इस तिरंगे के अंतिम स्वरूप के उद्भव की कहानी भी अत्यंत रोचक कही जा सकती है। सन 1857 की क्रांति के बाद, भारत पर अपने औपनिवेशिक शासन की प्रतीकात्मक पुष्टि करने हेतु, अंग्रेजों ने एक ध्वज का निर्माण किया था। पश्चिमी प्रारूप पर आधारित इस ध्वज के बाएं कोने पर जहां ब्रिटिश हुकूमत का चिन्ह 'यूनियन जैक' था वहीं दाएं हिस्से में 'स्टार ऑफ इंडिया' स्थित था।भारत में प्रथम राष्ट्रीय ध्वज निर्माण करने का श्रेय स्वामी विवेकानंद की आयरिश अनुयायी सिस्टर निवेदिता को जाता है।सन 1904 में उनके द्वारा बनाए गए ध्वज को 'निवेदिता फ्लैग' भी कहा जाता है। मूलतः लाल रंग के ध्वज में पीले रंग का बॉर्डर था। इसके बीचो बीच भगवान इंद्र के अस्त्र -'वज्र' और 'कमल' एक संयुक्त चिन्ह स्थित था। इस ध्वज में लाल रंग संघर्ष का प्रतीक था, पीला रंग विजय का, वज्र शौर्य और पराक्रम का, और कमल शुचिता का। इसके बीचो-बीच बांग्ला में वंदे मातरम लिखा हुआ था।7 अगस्त, सन1906 को कोलकाता के ग्रीन पार्क में फ्हराये गए राष्ट्रीय ध्वज के प्रारूप में लाल, पीले और हरे रंगों की तीन पट्टियां थीं। माना जाता है कि इस ध्वज का डिजाइन स्वतंत्रता सेनानी सचिंद्र प्रसाद बोस और हेमचंद्र कानूनगो ने किया था।यह ध्वज 'लोटस फ्लैग' या 'कोलकाता फ्लैग' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इस ध्वज में बीचोबीच स्थित पीली पट्टी पर वंदे मातरम लिखा हुआ था। इसके अतिरिक्त इस ध्वज में, एक सूर्य, एक अर्धचंद्र, कमल के 8 पुष्पों का प्रयोग किया गया था। इसी ध्वज का एक संशोधित संस्करण सन 1907 में सामने आया था। जो मैडम भीकाजी कामा और उनके सहयोगी क्रांतिकारियों के संयुक्त प्रयास से तैयार किया गया। यह ध्वज 22 अगस्त सन1907 को जर्मनी के स्टुटगार्ड में फहराया गया। किसी विदेशी धरती पर फ्हराया गया यह भारत का पहला ध्वज था। इस ध्वज के एक अन्य संशोधित संस्करण में एक कमल और 7 तारकों का प्रयोग किया गया था। यह सात 'तारे' सप्तऋषि का प्रतीक थे।सन1916 में मद्रास हाई कोर्ट के आर्थिक सहयोग से पिंगाली वेंकैया ने एक बुकलेट तैयार की जिसमें राष्ट्रीय ध्वज के 30 नमूने शामिल थे। इसके पश्चात सन1917 में होम रूल मूवमेंट के दौरान बाल गंगाधर तिलक और अनी बेसेंट ने एक नए राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण किया। इसमें चार हरी और पांच लाल पट्टियां थीं। इस के दाएं हिस्से में अर्धचंद्र और एक तारा स्थित था तो वही बाएं हिस्से में ऊपर की तरफअंग्रेजी यूनियन जैक मौजूद था। इसके अतिरिक्त सप्तऋषि के प्रतीक के रूप में 7 तारकों का भी प्रयोग किया गया था। यह वह पहला ध्वज था, जिस के प्रयोग पर अंग्रेजी हुकूमत द्वारा प्रतिबंध लगाया गया। प्रतिबंध लगने के बाद देशभर में व्यापक स्तर पर राष्ट्रीय ध्वज के महत्व की चर्चाएं होने लगीं। सन1920 में लीग ऑफनेशंस में भारतीय प्रतिनिधि मंडल द्वारा एक ध्वज के प्रयोग पर भी ज़ोर दिया गया था।सन 1921 में गांधीजी ने अपनी पत्रिका 'यंग इंडिया' के एक लेख में राष्ट्रीय ध्वज के विचार पर देते हुए ऐसे ध्वज का सुझाव प्रस्तुत किया जिसके बीच में चरखा हो। ध्वज में चरखे का विचार पहली बार लाला हंसराज द्वारा रखा गया था। इस सुझाव पर कार्य करने हेतु गांधी ने पिंगाली वेंकैया से आग्रह किया। 'गाँधी ध्वज' की इस संकल्पना में मूल रूप से दो ही रंग थे ङ्क लाल और हरा। धार्मिक संवेदनशीलता का संज्ञान लेते हुए इसमें अन्य सभी धर्मों को समाहित करने हेतु लाल और हरे के अतिरिक्त एक सफेद पट्टी का सुझाव रखा गया। बाद में राष्ट्रीय ध्वज की संकल्पना को धार्मिक बहस से मुक्त करने हेतु गांधी ने रंगों की प्रतीकात्मकता को सत्य, शांति, शौर्य, पराक्रम जैसे व्यापक मूल्यों से जोड़ दिया। 13 अप्रैल सन 1923 को कांग्रेस की नागपुर कमेटी के कार्यकर्ताओं ने जलियांवाला बाग घटना से संबंधित एक कार्यक्रम में इस ध्वज का प्रयोग किया। इस प्रयोग पर पुलिसिया कार्रवाई में 5 कांग्रेस सदस्यों को हिरासत में लिया गया। कार्रवाई के विरोध में जमुना लाल बजाज ने मई में ध्वज सत्याग्रह का आगाज किया। जुलाई सन1923 में कांग्रेस की एक बैठक में सरोजिनी नायडू और नेहरू के आग्रह पर ध्वज सत्याग्रह को व्यापक समर्थन देने की मांग हुई। समर्थन दिया भी गया और आंदोलन के अंत तक लगभग 1500 से अधिक स्वतंत्रता सेनानियों को जेल का रुख़ भी करना पड़ा था। सन 1931 में कांग्रेस ने कराची अधिवेशन में स्वराज ध्वज को अपनाया। पिंगाली वेंकैया द्वारा निर्मित इस ध्वज में ऊपरी पट्टी के रंग को लाल की जगह केसरिया रखा गया जो कि शौर्य और साहस का प्रतीक था।

आज के कार्टुन

औद्योगीकरण से आत्मनिर्भरता की राह

मोहिन्द्र सिंह

हमारी जनसंख्या का बड़ा भाग ग्रामीण क्षेत्रों में बसा हुआ है और कृषि पर निर्भर है। कई नीतियों, कार्यक्रमों, योजनाओं तथा परियोजनाओं को लागू करने के प्रयासों के बावजूद कृषि पर निर्भरता को सरकार कम नहीं कर सकी। यही वजह है कि गरीबी तथा बेरोजगारी से निजात नहीं मिल पाई। किसानों को कृषि यंत्रों, अच्छे बीजों, पानी, उर्वरकों, कीटनाशकों, मजदूरी आदि पर काफ़ी ख़र्च करना पड़ता है, यदि समय पर वर्षा न हो और सूखा पड़ जाए तो आर्थिक हालात खराब होने और कर्ज की मार के कारण तमाम कृषक आत्महत्या कर चुके हैं। छोटे तथा मझोले किसानों व खेतिहर मजदूरों की स्थिति तब और भी गंभीर बन जाती है, जब ख़ाली समय होता है और कामकाज नहीं मिलता। इसलिए, ग्रामीण औद्योगीकरण करना जरूरी समझा जाता है। एमएसएमई मंत्रालय, राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम, विकास आयुक्त कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, कॉयर बोर्ड और अन्य प्रशिक्षण संस्थान कार्यरत हैं। मंत्रालय का संबंध, नीति निर्माण, कार्यक्रमों, परियोजनाओं और योजनाओं तथा कार्यान्वयन सुनिश्चित करने से होता है। राज्य सरकारें जिला उद्योग क्षेत्रों, सेवा केन्द्रों के माध्यम से प्रयास करती हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय और उसके अन्य संगठनों द्वारा जो सुविधाएं दी जाती हैं वे हैं-वित्तीय संस्थानों/बैंकों को पर्याप्त मात्रा में ऋण प्रवाह; प्रौद्योगिकी उन्नयन तथा आधुनिकीकरण के लिए सहायता; एकीकृत संचालन सुविधाएं; आधुनिक परीक्षण व गुणवत्ता प्रमाणन; आधुनिक प्रबंधन कार्यों तक पहुंच; उद्यमिता विकास और कौशल उन्नयन; उत्पाद विकास, डिज़ाइन हस्तक्षेप और पैकेजिंग के लिए सहायता; कारीगर और श्रमिक कल्याण; घरेलू व निर्यात बाजारों में बेहतर पहुंच के लिए सहायता; और इकाइयों तथा समूहों का क्षमता निर्माण तथा सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के वास्ते क्लस्टर-वार उपाय। औद्योगीकरण के अंतर्गत, ये उद्योग अनाज, कपास, सिल्क, पटसन, बीज, कागज़, गत्ता आदि पर आधारित हों और इनके साथ-साथ डेयरी पदार्थ, बांस, झाड़ू, वाइपर, डिटर्जेंट, लाख की चूड़ियां, जूते, चप्पल, सौर ऊर्जा, कला केन्द्र, देसी खाद्य पदार्थ, ग्रामीण पर्यटन, मेहमाननवाज़ी, गोबर खाद, भवन निर्माण, सामग्री, भट्ठा ईंट, सीमेंट-ईंट, टाइलें, देसी दवाइयां, लेखन सामग्री, पैकिंग मेटीरियल, कलात्मक वस्तुएं, मशीनरी कलपुर्जे, लोहे से बनी वस्तुएं, प्लास्टिक का सामान व फर्नीचर, वनस्पति तेल, जैतून का तेल, बायो डीजल, खेलों का सामान, आटा चक्की, चीनी के बर्तन, बेकरी इत्यादि उद्योग स्थापित किए जा सकते हैं। जो समस्याएं ग्रामीण औद्योगीकरण के समक्ष हैं वे अनेक वर्षों से वैसी की वैसी बनी हुई हैं। वर्ष 1977 से कार्यरत जिला उद्योग केन्द्रों को भी किन्हीं कारणों की वजह से पूर्णतः सफलता नहीं मिल पाई। तकनीकी ज्ञान के अभाव में जो लघु व छोटे उद्योग चलाए गए उनमें से ज्यादा या तो बंद हो गए या बंद होने के कगार पर हैं। सबसे अधिक और गंभीर समस्या पर्याप्त ऋण की देखने को मिली। यही नहीं, बल्कि कच्चा माल सस्ता और समय पर न मिलने से उत्पादन पर बुरा प्रभाव पड़ा। आज का वैज्ञानिक युग बड़ी तीव्रता से बदल रहा है । यदि समय अनुसार बदलाव न हो तो उद्यमियों को हताश होना पड़ता है, यही हुआ है अधिकतर उद्यमियों के साथ। बड़े उद्योगों के सामने ये उद्योग नहीं टिक पाते क्योंकि प्रतियोगी नहीं बन सकते इसलिए, घाटे का सामना करते हैं। इनके पास कुशल प्रबंधक भी नहीं होते, जिससे कार्यकुशलता पर असर देखा जाता है। गरीबी हमेशा रास्ते में बाधा पहुंचाती है। इसी कारण गुणवत्ता में सुधार नहीं हो पाता क्योंकि अतिरिक्त निवेश की गुंजाइश नहीं होती। दी गई रियायतें भी प्रभावशाली सिद्ध नहीं हुईं। ग्रामीण औद्योगीकरण के कुछ उपाय यदि अपनाए जाएं तो अवश्य ही गरीबी व बेरोजगारी जैसी समस्याओं का समाधान हो सकता है। औद्योगीकरण के लिए उन्हें प्रचार व प्रेरणा को बढ़ावा देने के लिए प्रेस, लोक संपर्क विभाग, टी.वी., रेडियो की सहायता लेनी चाहिए। वहीं सहकारी मिलों की स्थापना में राज्य सरकारों की ओर से योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर न लाभ न हानि के सिद्धांत पर चलने की ज़रूरत है। जानकारी की कमी के कारण इसमें सफलता नहीं मिल पाती है। इसलिए, शुरुआत करने से पहले इन लोगों को गुणात्मक प्रशिक्षण देना होगा जिसकी व्यवस्था स्थानीय स्तर पर हो। सब्सिडी के बजाय बिना ब्याज ऋण दिए जाएं। मशीनरी के साथ ही पंचायत की जमीन या फिर शामलात भूमि उपलब्ध हो। कृषि आधारित उद्योगों को प्राथमिकता दी जाए, कच्चे माल पर विशेष छूट दी जाए, तैयार माल उच्च गुणवत्ता वाला हो, सरकारी ख़रीद या फिर बाज़ार उपलब्ध करवाया जाए। तकनीकी ज्ञान का ग्रामीणों में फैलाव, रियायतें जारी रखने, कृषि पर निर्भरता कम करने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा उद्योग लगाने, सेवा केन्द्रों को सक्रिय बनाने, जिला उद्योग केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण कर सही दिशा में चलाने, नीति और नियत में दूरी समाप्त करने, आधारभूत संरचना की उचित व्यवस्था, उत्पादन की सरकारी खरीद, सोच बदलने, निरंतर प्रबोधन व मूल्यांकन से कार्यक्रमों के प्रभाव को आंकते हुए सुधार हेतु प्रयास, सरकारी सहयोग, सहायता व फीडबैक पर आधारित कार्यवाहियां करना, आधुनिकीकरण सुनिश्चित करना जैसे प्रभावशाली कदम उठाने की जरूरत है ताकि ग्रामीण औद्योगीकरण के परिणाम मिल सकें।

करुणा

जग्गी वासुदेव/ एक दिन एक जैन मठ में सभी शिष्य अपने गुरु के ों ओर इकट्ठे हुए। गुरु बोले,'मैं जो कहानी सुना रहा हूं, उसे पूरे न से सुनो'। फिर उन्होंने कहना शुरू किया.'एक बार बुद्ध अपनी ख बंद किए बैठे हुए थे, उन्हें किसी की आवाज सुनाई दी, 'बचाओ, ाओ'। उन्हें समझ आ गया कि ये आवाज किसी मनुष्य की थी, जो के किसी गड्ढे में था और पीड़ा भोग रहा था। बुद्ध को यह भी समझ आया कि उसे ये दंड इसलिए दिया जा रहा था क्योंकि जब वह जिंदा तब उसने बहुत सी हत्याएं और चोरियां की थीं। उन्हें सहानुभूति का सास हुआ और वे उसकी मदद करना चाहते थे। उन्होंने यह देखने प्रयास किया कि क्या उस व्यक्ति ने अपनी जीवित अवस्था में कोई छा काम किया था? उन्हें पता लगा कि उसने एक बार चलते हुए, का ध्यान रखा था कि एक मकड़ी पर उसका पैर न पड़ जाए। तो ने उस मकड़ी से उस व्यक्ति की मदद करने के लिए कहा। मकड़ी एक लंबा, मजबूत धागा नर्क के उस गड्ढे में भेजा, जिससे वह अपना ला बुनती है। वह व्यक्ति उस धागे को पकड़ कर ऊपर चढ़ने लगा। बाकी के लोग भी, जो वहां यातना भोग रहे थे, उसी धागे को पकड़ ऊपर चढ़ने लगे। तो उस व्यक्ति को चिंता हुई, 'ये धागा मेरे लिए ना गया है, अगर इतने लोग इसे पकड़कर चढ़ेंगे तो धागा टूट एगा। वह उन पर गुस्से से चिल्लाया। उसी पल वह धागा टूट गया और उस गड्ढे में फिर से गिर गया। उस व्यक्ति ने फिर चीखना शुरू या, बचाओ, बचाओ, लेकिन इस बार बुद्ध ने उसकी तरफ कोई ध्यान ीं दिया'। जैन गुरु ने कहानी पूरी की और अपने शिष्यों से पूछा, ताओ, इस कहानी में क्या दोष है'? एक शिष्य बोला,'मकड़ी का ा इतना मजबूत नहीं होता कि एक व्यक्ति को ऊपर ला सके'। दूसरे कहा,'स्वर्ग और नर्क जैसी कोई चीज नहीं होती'। एक अन्य ा,'जब बुद्ध आंख बंद कर के बैठे और ध्यान कर रहे थे, तब उन्हें ूर ही कोई और आवाज सुनाई दे रही होगी'। गुरु मुस्कुराए और ने,'तुम सबने एक महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया'। फिर वे उठे र चले गए। जो सच्ची करु णा होती है, वह चयन नहीं करती। किसी ा कोई ये विचार करे कि मुझे इस व्यक्ति के लिए करु णामय होना हिए और फिर ऐसा सोचे कि वह दूसरा व्यक्ति मेरी करु णा का पात्र ीं है, तो फिर ये करु णा नहीं है।

सू-दोकू नवताल -2185

5					2	1	3	
6					7	2		
2	6				9			
			1				4	8
		8	5					7
	3	4	8					1

सू-दोकू -2184 का हल

3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2185

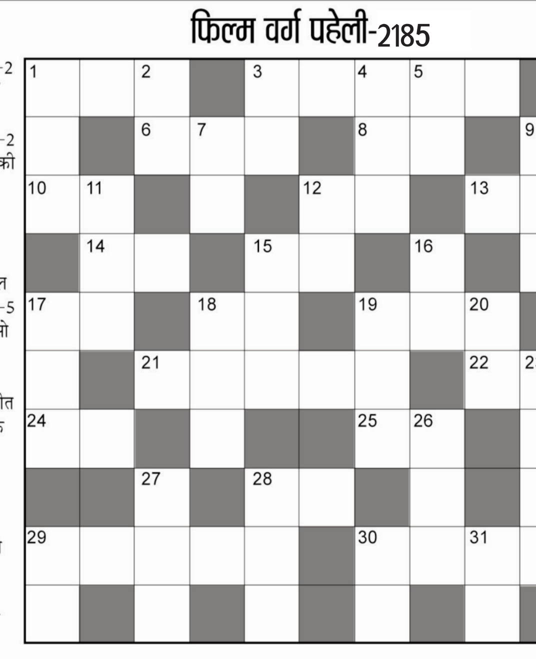

बायें से दायें:-

1. डिनो मारिया, इरफान खान, बिपाशा बसु, प्रीति झंगियानी की फिल्म-3
3. 'रंगीला रे, तेरे रंग में, रंगा है मेरा मन' गीत वाली फिल्म-2,3
6. फिल्म 'घर का चिराग' में नायिका-3
8. 'तौबा तौबा इश्क ना करियो' गीत वाली फिल्म-2
10. 'चिट्ठी आई है वतन से' गीत वाली संजयदत्त, पूनम ढिल्लो की फिल्म-2
12. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-2
13. 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली आमिर खान फिल्म-2
14. 'रुकी रुकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-2
15. 'सुबह सुबह जब खिड़की खोले' गीत वाली बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-2
17. मिथुन चक्रवर्ती की 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-2
18. 'आके भर लो बाजुओं में' गीत वाली सलमान खान, स्नेहा उल्लाल की फिल्म-2
19. दिलीपकुमार, की 'वतन की राह में वतन के नौजवां' गीतवाली फिल्म-3
21. 'आई है तेरे आने की चिट्ठी' गीत वाली राकेश रोशन, राज बब्बर, अमोल पालेकर, रेखा की फिल्म-5
22. देव आनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-2
24. 'नशा है आज देख ले' गीत वाली सनी देओल, विवेक ओबेराय, समीरा रेड्डी की फिल्म-2
25. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका-2
28. जीतेंद्र, रीनाराय, रामेश्वरी की फिल्म-2
29. सुनीलदत्त, नूतन की 'मेरा गधा गधों का लीडर' गीत वाली फिल्म-5
30. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा पंडित की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. अनिल धवन, रेहाना सुल्तान की 'मैं तो हर मोड़ पर दूंगा' गीत वाली फिल्म-3
2. फिल्म 'चोरी चोरी' की नायिका कौन थी-2
3. संजय कपूर, तब्बू की 'ओ मेरी चूड़ियां बजी' गीत वाली फिल्म-2
4. 'तू मैके मत जइयो' गीतवाली फिल्म-3
5. देव आनंद, गीता बाली की 'चाँदनी रातें प्यार की बातें' गीत वाली फिल्म-2
7. 'मैं ऐसा क्यों हूं' गीत वाली अमिताभ बच्चन, रितिक रोशन, प्रीति जिंटा की फिल्म-2
9. गोविंदा, करिश्मा की 'मेरी पैंट भी सैक्सी ' गीत वाली फिल्म-3
11. 'रहते थे जिनके दिल में' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-3
12. 'अपुन बोला तू मेरी लैला' गीत वाली फिल्म-2
15. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-3
16. फिल्म 'हम हैं राही प्यार के' में नायिका-2
17. 'न तू जमीं के लिए' गीत वाली दिलीप कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
18. कुमार गौरव, पद्मिनी कोल्हापुरे की 'मुलाकातों का मौसम आ गया' गीत वाली फिल्म-3
19. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीतवाली फिल्म-3
20. संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, एशा देओल, शिल्पा की 'दीदार दे दीदार दे' गीत वाली फिल्म-2
23. 'हमको मालूम है इश्क मासूम है' गीत वाली सलमान की फिल्म-4
26. नवीन निश्चल, आशा पारेख की 'जीवन भर ढूंढा जिसको' गीत वाली फिल्म-3
27. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-3
28. राजेश खन्ना, शर्मिला, अमिताभ की फिल्म-3
29. राहुल राय, करिश्मा कपूर की फिल्म-2
30. 'ऐसा जादू डाला रे' गीत वाली फिल्म-2
31. 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2184

आईओसी बांग्लादेश के रास्ते त्रिपुरा तक ईंधन पहुंचाएगी

अगरतला। सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) जल्द ही बांग्लादेश के रास्ते त्रिपुरा तक ईंधन पहुंचाने के लिए परीक्षण संचालन करेगी। इसकी जानकारी मंगलवार को एक अधिकारी ने दी। आईओसी परीक्षण परिचालन के दौरान गुवाहाटी से बांग्लादेश के रास्ते तीन एलपीजी टैंकर और पेट्रोल तथा डीजल के सात टैंकर पहुंचाएगी। अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक तेल टैंकर की क्षमता 12,000 लीटर है। आईओसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, आईओसी इसबारे में पहले ही तीन अगस्त को ढाका में बांग्लादेशी अधिकारियों के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर कर चुकी है।''उन्होंने कहा, वीजा जारी होने के बाद एलपीजी और तेल टैंकर बांग्लादेश के रास्ते वैकल्पिक सड़क पर परीक्षण संचालन के लिए आगे बढ़ने वाले हैं, हम इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं।'' टैंकर असम के गुवाहाटी से मेघालय के ड्वाकी जाएंगे, जहां वे बांग्लादेश में प्रवेश करने वाले हैं। इसके बाद उत्तरी त्रिपुरा में आईओसी के धर्मनगर डिपो तक पहुंचने वाले हैं। अधिकारी ने कहा, ''परीक्षण संचालन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यदि परीक्षण सफल रहा, तब आईओसी भविष्य में अप्रत्याशित घटनाओं की स्थिति में त्रिपुरा को ईंधन की आपूर्ति के लिए इस वैकल्पिक सड़क का उपयोग करेगी।''

जेएसडब्ल्यू स्टील की उत्पादन क्षमता बढ़ी, जुलाई में कच्चे इस्पात में 14 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली । इस्पात क्षेत्र की अग्रणी कंपनी जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड की उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। कंपनी के कच्चे इस्पात का उत्पादन जुलाई 2022 में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 15.69 लाख टन पर पहुंच गया। टाटा स्टील ने मंगलवार को जारी बयान में यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि जुलाई 2021 में उसने 13.82 लाख टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया था। इसके अलावा जुलाई 2022 में कंपनी के 'फ्लैट रोल' उत्पादों का उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़कर 10.72 लाख टन हो गया, जो पिछले साल के इसी महीने में 9.34 लाख टन था। जेएसडब्ल्यू स्टील दरअसल जेएसडब्ल्यू समूह की प्रमुख कंपनी है। समूह इस्पात, सीमेंट और ऊर्जा समेत की कई क्षेत्रों में कारोबार करता है।

गेहूं के बाद अब आटा, मैदा और सूजी के निर्यात पर भी सरकार का अंकुश

नई दिल्ली ।

महंगाई पर अंकुश लगाने भारत सरकार ने गेहूं के निर्यात पर पाबंदियां लगाने के बाद अब आटा, मैदा और सूजी के निर्यात को भी पाबंदी लगाने का निर्णय लिया है। इससे पहले सरकार ने मई महीने में गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने का ऐलान किया था। अब गेहूं के आटा, मैदा, सूजी आदि के निर्यातकों को एक्सपोर्ट इंसपेक्शन काउंसिल से क्वालिटी सर्टिफिकेट लेने की जरूरत पड़ेगी। सरकार ने एक ताजा नोटिफिकेशन में इसकी जानकारी दी है। इससे पहले विदेश व्यापार महानिदेशालय ने जुलाई में कहा था कि गेहूं के आटे, मैदे और सूजी के निर्यात के लिए ट्रेडर्स को इंटर-मिनिस्ट्रियल कमिटी से मंजूरी लेने की जरूरत पड़ेगी। डाइरेक्टरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (डीजीएफटी) ने एक नोटिफिकेशन में इसकी जानकारी दी थी। नोटिफिकेशन में कहा गया था, %गेहूं के आटे के लिए निर्यात की नीति फ्री ही बनी रहेगी, लेकिन इसका निर्यात करने के लिए गेहूं के निर्यात को लेकर बनी इंटर-मिनिस्ट्रियल कमिटी से मंजूरी लेने की जरूरत होगी। डीजीएफटी के ताजा नोटिफिकेशन में बताया गया है कि अब इंटर-मिनिस्ट्रियल कमिटी से आटे के अलावा मैदा, समोलिना (रवा/सिरगी), होलमील आटा और रिजल्टेंट आटा के निर्यात के लिए भी मंजूरी लेने की जरूरत होगी। कमिटी की मंजूरी मिलने के बाद ही अब इन उत्पादों का भारत से निर्यात किया जा सकेगा। नोटिफिकेशन के अनुसार, कमिटी की मंजूरी के बाद गेहूं के आटे समेत इन उत्पादों की क्वालिटी के लिए दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में स्थित एक्सपोर्ट इंसपेक्शन काउंसिल से क्वालिटी सर्टिफिकेट लेने की जरूरत पड़ेगी। सरकार के इस कदम को भारतीय बाजार में आटे की कीमतें नियंत्रित रखने के प्रयास से जोड़कर देखा जा रहा है। दरअसल मई महीने में गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने के बाद आटे व गेहूं के अन्य उत्पादों के निर्यात में तेजी देखी जा रही थी। इससे घरेलू बाजार में आटे समेत गेहूं की उपलब्धता पर असर पड़ रहा था और कीमतें बढ़ने का खतरा मंडरा रहा था। कुछ कंपनियों ने तो आटे के दाम बढ़ा भी दिए थे। इस कारण गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने का सरकार का ऐलान कारगर साबित नहीं हो पा रहा था। अब नई पाबंदियों से इस मामले में सुधार की उम्मीद बढ़ी है।

आरबीआई ने 8 सहकारी बैंकों पर लगाया 40 लाख रुपए का जुर्माना

एक एनबीएफसी पर ठोकी 2.33 करोड़ रुपए की पेनाल्टी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियमों का पालन करने में लापरवाही बरतने पर 8 सहकारी बैंकों और एक गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) पर जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने बताया कि सहकारी बैंकों पर 1 से 40 लाख रुपए तक का जुर्माना लगा है। आरबीआई के अनुसार, जिन 8 सहकारी बैंकों पर जुर्माना लगाया है, उनमें छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक, द गोवा स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक, गृह को-ऑपरेटिव बैंक, द यवतमाल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, वरुण अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक, इंदापुर अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक और मेहसाणा अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक शामिल हैं। इन बैंकों पर 1 लाख से लेकर 40 लाख रुपए तक जुर्माना लगा है। इसके अलावा स्पंदन स्फूर्ति फाइनेंशियल एनबीएफसी पर भी मॉनिटरी पेनाल्टी लगाया है। यह कदम नॉन डिपॉजिट टेकिंग कंपनी और डिपॉजिट टेकिंग कंपनी के नियमों का उल्लंघन करने पर लगाया गया है।

कंपनी ने लोन बांटने की लागत को लेकर आरबीआई की तरफ से जारी गाइडलाइन का पालन नहीं किया था।

दुबई जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या 8.58 लाख हुई, पहली छमाही में दोगुने से अधिक

मुंबई । घूमने-फिरने के लिए दुबई जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या वर्ष 2022 की पहली छमाही में दोगुना से भी अधिक होकर 8.58 लाख हो गई। दुबई के अर्थव्यवस्था एवं पर्यटन विभाग (डीईटी) ने बताया कि एक साल पहले की समान अवधि में भारत से दुबई पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या 4.09 लाख थी। जनवरी-जून, 2022 के दौरान कुल 71.2 लाख विदेशी मेहमान दुबई पहुंचे जो वर्ष 2021 की पहली छमाही की 25.2 लाख विदेशी मेहमानों की संख्या का करीब तीन गुना है। इनमें 22 प्रतिशत पर्यटक पश्चिमी यूरोप से दुबई आए। दुबई के शहजादा और कार्यकारी परिषद के चेयरमैन शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने कहा, ''पर्यटकों की संख्या में यह बढ़ोतरी दुबई अमीरात की अर्थव्यवस्था की जुझारू क्षमता और गतिशीलता को बयां करती है। यह दुबई के सर्वाधिक पर्यटकों वाला गंतव्य बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के अनुरूप है। आने वाले वर्षों में भी दुबई इस स्थिति को मजबूत करता रहेगा। कोविड महामारी से पहले के साल 2019 की पहली छमाही में दुनिया भर से कुल 83.6 लाख पर्यटक दुबई पहुंचे थे।

ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर तेजी से आगे बढ़ रही है बातचीत- गोयल

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में तेजी से प्रगति हो रही है। दोनों देशों के बीच समझौते का मकसद द्विपक्षीय व्यापार तथा निवेश को गति देना है। गोयल ने कहा कि भारत ने संयुक्त अरब अमीरात के साथ 'रिकॉर्ड' समय में व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए और अब ब्रिटेन के साथ इस बारे में बातचीत तेजी से आगे बढ़ रही है। इसतरह के समझौते में दो या दो से अधिक देश आपसी व्यापार में शामिल ज्यादातर वस्तुओं पर सीमा शुल्क में कमी लाते हैं या उस समाप्त करते हैं। इसके अलावा वे वस्तुओं में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए नियमों को उदार बनाते हैं। भारत और ब्रिटेन ने जनवरी में मुक्त व्यापार समझौते पर औपचारिक बातचीत शुरू की थी। दोनों देशों ने इस दिवाली तक निष्कर्ष पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। मंत्री ने व्यापारी उद्यमी सम्मेलन में कहा कि भारत इसके साथ कनाडा, यूरोपीय संघ (ईयू) और इजराइल के साथ भी इसी तरह के समझौते पर बातचीत कर रहा है। कई अन्य देशों ने भारत के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत करने में गहरी दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने कहा कि खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी), यूरेशियाई आर्थिक संघ (ईएईयू) और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) इन समझौतों पर बातचीत करना चाहते हैं। हालांकि, गोयल ने बताया कि वाणिज्य मंत्रालय के पास इतने संसाधन नहीं है कि वह एक साथ कई देशों से मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत करे। उन्होंने घरेलू कारोबारियों से उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान देने और मिलकर काम करने को कहा। गोयल ने कहा कि सरकार अनुपालन बोझ कम करने के लिए कदम उठा रही है। अनुपालन बोझ कम करने के लिए करीब 30,000 नियमों को या तो सरल किया गया है या उन्हें समाप्त कर दिया गया है।

एचपी ने हाइब्रिड मॉडल पर काम करने वालों को सुविधा के लिए पेश किए नए ऑन-इन-वन पीसी

नई दिल्ली ।

प्राइवेट क्षेत्र की प्रतिष्ठित पीसी निर्मता कंपनी एचपी ने हाइब्रिड मॉडल पर काम करने वाले लोगों को काम और मनोरंजन का बेहतरीन अनुभव देने के लिए पीसी और टीवी की खूबियों वाले ऑन-इन-वन पीसी की नई श्रंखला पेश की है। नए ऑल-इन-वन पीसी में एचपी एन्वी 34 इंच और पैवेलियन 31.5 इंच शामिल हैं जो पावर और परफॉर्मेंस के लिए 11वें जेनरेशन और 12वें जेनरेशन इंटेल प्रोसेसर के साथ आते हैं। ये प्रोसेसर काम करने, कुछ तैयार करने और मनोरंजन के लिहाज से मल्टी-टास्किंग के लिए किया जा सकता है। टीवी की खूबियों की वजह से आधुनिक क्रिएटर्स कॉन्टेंट स्ट्रीमिंग से गेमिंग पर स्विच कर सकते हैं या हाइब्रिड परिवेश में बेहतर उत्पादकता के लिए एआईओ को दूसरी स्क्रीन के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं।

रचनात्मकता को अभिव्यक्त करने के लिए एचपी एन्वी 34-इंच ऑन-इन-वन सबसे उपयुक्त प्लेटफॉर्म है। इस डिवाइस में एंटी-ग्लेयर डिस्प्ले है जिससे इस्तेमाल करने वाले की रचनात्मकता को सामने लाने का उपयुक्त माध्यम मिलता है। पीसी की स्लीक स्टाइल में तेज़ और घुमाया जा सकने वाला कैमरा भी आता है जिससे बेहतर व्यू के लिए कई पोजिशन से इसे इस्तेमाल करना आसान हो जाता है। एचपी पैवेलियन 31.5 इंच ऑल-इन-वन पीसी को काम के आसान परिवेश से मनोरंजन के मज़ेदार अनुभव के बीच स्विच करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह काम, रचनात्मकता और मनोरंजन जैसी कई चीज़ों में काम आता है और इसलिए हाइब्रिड जीवनशैली के लिए यह इकलौता जगह बचाने वाला डिवाइस उपयुक्त पसंद है। स्थायित्व को लेकर एचपी की प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए एचपी पैवेलियन 31.5 इंच ऑल-इन-वन के कलपुर्जों को समुद्र में मिले प्लास्टिक और इस्तेमाल किए जाने के बाद रिसाइकल किए गए प्लास्टिक जैसी चीज़ों से बनाया गया है।

विक्रम बेदी, सीनियर डायरेक्टर, पर्सनल सिस्टम्स, एचपी इंडिया ने कहा, ÷एचपी ने हमेशा ही ग्राहकों से मिली जानकारी के आधार पर इनोवेटिव प्रोडक्ट्स बनाने की कोशिश की है। जैसे-जैसे जीवनशैली हाइब्रिड होती जा रही है, हमारी कोशिश ऐसे अनुभव उपलब्ध कराने की है जो ग्राहकों के घर के परिवेश के हिसाब से मेल खा सकें। हमारे नए ऑन-इन-वन डेस्कटॉप आज के ज़माने के आधुनिक क्रिएटर्स की ज़रूरतों को पूरा करते हैं और कई डिवाइसों को इस्तेमाल किए बिना काम, मनोरंजन और रचनात्मकता में उनकी मदद करता है।÷

स्वास्थ्य सेवा की कंपनी यथार्थ हॉस्पिटल के आईपीओ को सेबी की मंजूरी

यथार्थ हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा केयर सर्विसेज लिमिटेड को आईपीओ लाने के लिए बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है

नई दिल्ली । स्टाक बजार में दस्तक देने का प्रयास कर रही स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी कंपनी यथार्थ हॉस्पिटल एंड ट्रॉमा केयर सर्विसेज लिमिटेड को आईपीओ लाने के लिए बाजार नियामक सेबी से मंजूरी मिल गई है। इस पब्लिक ऑफर में 610 करोड़ रुपये के नए इश्यू और 65,51,690 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल (ओओफएस) शामिल है। कंपनी दिल्ली-एनसीआर में तीन सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल चलाती है। हाल ही में इसने मध्य प्रदेश में भी अपना विस्तार किया है। वित्त वर्ष 2021 तक के डाटा के मुताबिक, यथार्थ हॉस्पिटल्स बिस्तरों की संख्या के लिहाज से दिल्ली एनसीआर के 10 सबसे बड़े निजी अस्पतालों में से एक है। इसके अस्पतालों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाया गया है। आईपीओ में 10 रुपये फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयर शामिल होंगे। अब सेबी की मंजूरी के बाद, इक्विटी शेयरों के लिए प्राइस बैंड के साथ आईपीओ की टाइमलाइन जारी की जाएगी। आईपीओ से जुटाई जाने वाली राशि का इस्तेमाल वृद्धि योजनाओं के वित्तपोषण और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। सेबी के पास जमा किए गए मसौदा दस्तावेज के अनुसार, यथार्थ हॉस्पिटल के आईपीओ में 610 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का नया इश्यू होगा। इसके अलावा कंपनी के प्रवर्तकों और प्रवर्तक समूह की संस्थाओं द्वारा 65.51 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) भी शामिल होगी। ओएफएस के जरिये विमला त्यागी जैसे प्रमोटर्स 37,43,000 इक्विटी शेयर बेचेंगे, वहीं प्रेम नारायण त्यागी और नीना त्यागी 20,21,200 और 7,87,490 इक्विटी शेयर बेचेंगे। वित्त वर्ष 2020- 21 में यथार्थ हॉस्पिटल का ऑपरेशनल रेवेन्यू 228.67 करोड़ रुपये रहा था और मुनाफा 19.59 करोड़ रुपये हुआ था। 2019-20 में 146.04 करोड़ रुपये के ऑपरेशनल रेवेन्यू पर 2.05 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया गया था। आईपीओ का 50 फीसदी हिस्- सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशन बायर्स (क्यूआईबीएस) के लिए आरक्षित है। वहीं 15 फीसदी हिस्सा नॉन इंस्टीट्यूशन इनवेस्टर्स (एनआईआईएस) के लिए रिजर्व रखा गया है। बाकी 35 फीसदी के लिए खुदरा निवेशक बोली लगा सकेंगे। इस आईपीओ के लिए इंटेसिव फिस्कल सर्विसेज, एम्बिट और आईआईएफएल सिक्योरिटीज को बुक रनिंग लीड मैनजर नियुक्त किया गया है।

ब्याज दरों के चलते गोल्ड ईटीएफ से जुलाई में 457 करोड़ रुपये की हुई निकासी

नई दिल्ली । ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी और सोने के बढ़ते दामों के मद्देनजर गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से जुलाई, 2022 के दौरान 457 करोड़ रुपये की निकासी हुई है। निवेशकों ने अपना पैसा अन्य परिसंपत्ति वर्गों में लगाया जिसके कारण यह निकासी हुई है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, जून, 2022 में ईटीएफ में 135 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था। वरिष्ठ विश्लेषक कविता कृष्णन ने कहा कि बढ़ती ब्याज दरों के कारण पीली धातु की कीमतों में गिरावट के कारण गोल्ड ईटीएफ से निवेशकों ने निकासी की है। उन्होंने कहा कि रुपये में गिरावट ने भी सोने की मांग और आपूर्ति को प्रभावित किया है। यह प्रवृत्ति वैश्विक स्तर पर भी देखी गई है, जिसमें सोने की कम कीमतों के कारण गोल्ड ईटीएफ में निवेशकों ने निकासी की है। इस निकासी के साथ गोल्ड ईटीएफ में प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां घटकर 20,038 करोड़ रुपये रह गई हैं, जो जून में 20,249 करोड़ रुपये थीं। हालांकि, इस श्रेणी में समीक्षाधीन अवधि में फोलियो की संख्या 37,500 बढ़कर 46.43 लाख पर पहुंच गई।

बीमा कंपनियों को 5 साल में स्वास्थ्य कारोबार में हुई 26,364 करोड़ की हानि

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की सभी चार बीमा कमानियों (पीएसयू) को पिछले पांच साल के दौरान स्वास्थ्य बीमा कारोबार में 26,364 करोड़ रुपए की हानि हुई है। नियंत्रक एवं महालेखक परीक्षक (कैग) ने अपनी रिपोर्ट में यह बात कही है। संसद में हाल ही में पेश की गई कैग की रिपोर्ट के अनुसार, सार्वजानिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के स्वास्थ्य बीमा खंड में नुकसान ने अन्य क्षेत्रों के लाभ को घटा दिया है या कुल नुकसान को और बढ़ा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2016-17 से 2020-21 के दौरान इन चार बीमा कंपनियों न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनआईएसीएल),

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (यूआईआईसीएल), ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (ओआईसीएल) और नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एनआईसीएल) का कुल नुकसान 26,364 करोड़ रुपए था। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों के लिए स्वास्थ्य बीमा दूसरा सबसे बड़ा कारोबार क्षेत्र है। पहले स्थान पर वाहन बीमा क्षेत्र है। इस क्षेत्र का पिछले पांच साल का सकल प्रत्यक्ष प्रीमियम 1,16,551 करोड़ रुपये रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य बीमा कारोबार में सरकारी बीमा कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी निजी कंपनियों की तुलना में लगातार घट रही है। कैग ने कहा कि ऑडिट में यह भी पाया गया कि सार्वजानिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों द्वारा मंत्रालय के दिशानिर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया और इन कंपनियों का समूह स्वास्थ्य बीमा खंड में संयुक्त अनुपात 125 से 165 प्रतिशत था। दावों के प्रबंधन के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनियों की आईटी प्रणाली में सत्यापन जांच और नियंत्रण का अभाव है। इससे कामकाज के अलावा रिपोर्ट करने की प्रणाली भी प्रभावित होती हे।

वित्तीय हेराफेरी को लेकर सेबी ने सिक्योरक्लाउड टेक्नोलॉजीज और 3 लोगों को प्रतिभूति बाजार से किया बेन

नई दिल्ली।

शेयर बाजार की शीर्ष नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) ने वित्तीय विवरणों में कथित घोटाले को लेकर सिक्योरक्लाउड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और तीन व्यक्तियों को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। बाजार नियामक ने सुरेश वेंकटचारी, आरएस रमानी और गुरुमूर्ति जयरामन पर सेबी में पंजीकृत किसी भी संस्था या कंपनी के साथ जुड़ने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है।

सेबी की तरफ से पारित 76 पृष्ठ के आदेश के अनुसार, तीनों व्यक्तियों को धन जुटाने का इरादा रखने वाली किसी भी सूचीबद्ध सार्वजनिक कंपनी के निदेशक या प्रवर्तक के रूप में कार्य करने से भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। सेबी ने कंपनी के प्रवर्तकों और प्रबंधन द्वारा अनियमितताओं और उसके वैधानिक लेखा परीक्षक, डेलॉइट हास्किन्स एंड सेल्स के इस्तीफे जैसी कुछ शिकायतों के बाद में एक जांच शुरू की थी। नियामक ने वित्त वर्ष 2017-18 से 2020-21 की अवधि के लिए कंपनी के खिलाफ जांच शुरू की और इस दौरान वित्तीय विवरण या जानकारी में हेराफेरी पायी।

सेबी के पूर्णकालिक सदस्य अश्वनी भाटिया ने जारी आदेश में कहा, प्रथम दृष्टया कंपनी के बही-खातों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी दिखाते हैं। कंपनी फर्जी और हेरफेर वाले वित्तीय विवरण जारी कर रही है, जिसमें बढ़ा हुआ राजस्व या लाभ दिखाया गया है।

नाटको फार्मा का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ चार गुना होकर 320.4 करोड़ रुपये पर

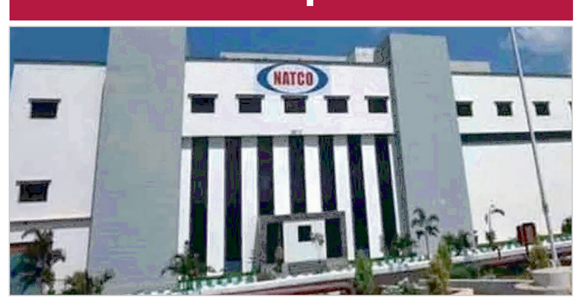

मुंबई ।

नाटको फार्मा लिमिटेड का 30 जून को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ चार गुना से अधिक बढ़कर 320.4 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। फार्मास्युटिकल खंड की आय बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। नाटको फार्मा ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में इसकी जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 75 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान कंपनी की एकीकृत परिचालन आय पिछले वित्तवर्ष की समान अवधि के 410.3 करोड़ रुपये के मुकाबले 884.6 करोड़ रुपये हो गई।

कंपनी का फार्मास्युटिकल खंड का राजस्व बीते साल की पहली तिमाही के 409.7 करोड़ रुपये से बढ़कर 883.6 करोड़ रुपये हो गया। इसमें कंपनी की इकाई नाटको फार्मा (कनाडा) इंक को निपटान समझौते के तहत प्राप्त दावों के समाधान से होने वाली आय शामिल है। कंपनी ने कहा कि कृषि रसायन खंड ने एक करोड़ रुपये का राजस्व हासिल हुआ हैं, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 60 लाख रुपये था।

पहली तिमाही में कुल खर्च 533.1 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले समान अवधि में 336.3 करोड़ रुपये था। नाटको ने कहा कि उसने 30 जून, 2022 को समाप्त तिमाही के दौरान स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) योजना के तहत कुल 29.1 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया। नियामकीय सूचना में कहा गया है कि कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए प्रत्येक दो रुपये के इक्विटी शेयर पर 3.50 रुपये के अंतरिम लाभांश को भी मंजूरी दी है।

एचपीसीएल ने होंडा मोटर्स से हाथ मिलाया, बेंगलुरू में खुला पहला ई-स्वैप' स्टेशन

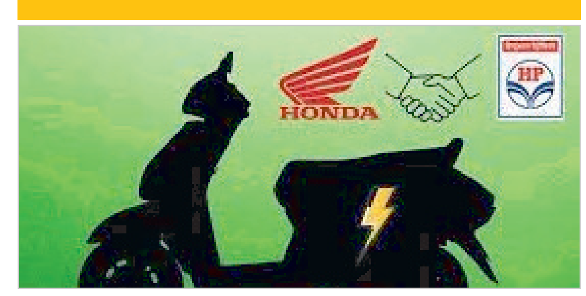

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख पेट्रोलियम कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि (एचपीसीएल) ने अपने पेट्रोल पंपों पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी अदला-बदली स्टेशन स्थापित करने के लिए वाहन विनिर्माता होंडा मोटर के साथ करार किया है। होंडा मोटर्स की अनुषंगी इकाई होंडा पावर पैक एनर्जी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और एचपीसीएल के बीच हुए इस करार के तहत बेंगलुरु में पहले 'ई-स्वैप' स्टेशन की शुरुआत भी हो गई है। एचपीसीएल के बेंगलुरु स्थित एक पेट्रोल पंप पर बैटरी बदलने वाले इस केंद्र की गत शनिवार को शुरुआत हुई। फिलहाल इस केंद्र पर इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों की ही बैटरियां बदली जाएंगी। हालांकि, कंपनी ने अगले एक साल में बेंगलुरु में इस तरह के 70 ई-स्वैप स्टेशन और शुरू करने की घोषणा की है। एचपीसीएल ने कहा कि उसके बाद देश के अन्य शहरों में इस सेवा का विस्तार किया जाएगा। एचपीसीएल ने एक बयान में इसकी जानकारी देते हुए कहा, उपभोक्ता इस केंद्र पर सिर्फ दो मिनट में ही डिस्चार्ज हो चुकी बैटरी को पूरी तरह चार्ज बैटरी के साथ बदल सकते हैं। इसके अलावा 'सेवा के रूप में बैटरी' (बास) मॉडल उपभोक्ताओं को बैटरियां उधार में देने की भी मंजूरी देता है। बैटरी को उधार देने से एक इलेक्ट्रिक वाहन की खरीद लागत भी कम हो जाती है। होंडा इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए खासतौर पर डिजाइन बैटरियों के निर्माण के लिए जानी जाती है। वहीं एचपीसीएल अपने व्यापक नेटवर्क के दम पर पूरे देश में अपनी मौजूदगी रखती है। इन दोनों पक्षों को ध्यान में रखते हुए एचपीसीएल और होंडा मोटर ने हाथ मिलाने का फैसला किया है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रमंडल खेल

राष्ट्रमंडल खेलों का रंगारंग समापन, भांगड़ा और 'अपाचे इंडियन' ने बिखेरे रंग

बर्मिंघम (एजेंसी)।

भांगड़ा की थाप से लेकर अपाचे इंडियन के दमदार प्रदर्शन नं यहां के अलेक्जेंडर स्टेडियम में राष्ट्रमंडल खेलों के समापन समारोह में अपने रंग बिखेरे जिसके साथ ही चार साल बाद ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में मिलने के वादे के साथ खिलाड़ियों ने 11 दिन तक चले इन खेलोंको अलविदा कहा। बर्मिंघम खेलों में 72 देशों के 4500 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। भारत ने कुल 61 पदक जीते जो चार साल पहले गोल्ड कोस्ट में खेले गए राष्ट्रमंडल खेलों से पांच कम हैं। परंपरा के अनुसार राष्ट्रमंडल खेल महासंघ का ध्वज उतार कर ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य को सौंपा गया जो 2026 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा।

प्रिंस एडवर्ड ने बर्मिंघम 2022 खेलों के समापन की घोषणा की और 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य को औपचारिक निमंत्रण सौंपा। उन्होंने कहा, ''आपने हमें प्रेरित किया और संभवतः आने वाली पीढ़ियों को भी। आपने दिखाया कि क्या चीज हमें एकजुट कर सकती है। हमारी संरक्षक महारानी की तरफ से मैं बर्मिंघम 2022 खेलों के समापन की घोषणा करता हूं।'' खेलों के समापन की घोषणा के साथ ही बर्मिंघम का आकाश आतिशबाजी से नहा गया। समापन समारोह का आकर्षण भांगड़ा और भारतीय मूल के गायक स्टीवन कपूर रहे जो 'अपाचे इंडियन' के नाम से मशहूर हैं। उनके दिलकश प्रदर्शन ने दर्शकों का मन मोहदिया। 'अपाचे इंडियन' के प्रदर्शन के बाद मॉडल नीलम गिल ने अपनी प्रस्तुति दी। इस बीच खचाखच भरे स्टेडियम में संगीत समूह पंजाबी एमसी 'मुंडिया तू बच के' गीत बजा रहा था। संगीत के दिग्गज गोल्डी और बेवर्ली नाइट ने अपने प्रदर्शन से दर्शकों को रोमांचित किया।

ट्रांसजेंडर ब्रिटिश मॉडल तलुलाह ईव ने नए रोमांटिक युग और बर्मिंघम समलैंगिक संस्कृति के बारे में बताया। संगीत कार्यक्रम के बाद राष्ट्रमंडल खेल महासंघ के अध्यक्ष डेम लुईस मार्टिन और बर्मिंघम 2022 के सीईओ मार्टिन ग्रीन ने विदाई भाषण दिए। मार्टिन ने कहा, ''समापन समारोह बेजोड़ राष्ट्रमंडल खेलों का उत्कृष्ट जश्न रहा जिसमें बर्मिंघम के सर्वश्रेष्ठ को प्रदर्शित किया गया। हम 11 दिन तक चले राष्ट्रमंडल खेलों के अभूतपूर्व आयोजन का गवाह रहे और समापन समारोह इस विशेष प्रतियोगिता का शानदार अंत रहा।'' स्टार महिला

मुक्केबाज निकहत जरीन और अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल ने भारतीय दल का नेतृत्व किया लेकिन भारतीय खिलाड़ीबड़ी कम संख्या में यहां पहुंचे थे। भारतीय दल के स्टेडियम में पहुंचते हीसंगीत समूह पंजाबी एमसी ने 'मुंडिया तू बच के' बजाना शुरू कर दिया जिस पर खिलाड़ी भी थिरकने लगे।

छेत्री और मनीषा बने सर्वश्रेष्ठ प्रुरुष और महिला फुटबॉलर बने

नयी दिल्ली : (एजेंसी)।

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री और मनीषा कल्याण साल 2021-22 सत्र के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला फुटबॉलर बने हैं। छेत्री को सातवीं बार यह अवार्ड मिला है। वहीं मनीषा को पहली बार यह इस अवार्ड के लिए नामांकित किया गया। जबकि मनीषा पहली बार इस पुरस्कार के लिए चुनीं गईं।

छेत्री और मनीषा के नाम राष्ट्रीय टीम के उनके कोच इगोर स्टिमक और थॉमस डेनरबी ने भेजे थे। छेत्री को साल 2007 में पहली बार इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने इसके बाद 2011, 2013, 2014, 2017 और 2018-19 सत्र में भी यह पुरस्कार जीता था। स्टिमक ने कहा, ''वह पांच गोल के साथ हमारे सर्वोच्च गोल करने वाले खिलाड़ी थे और सैफ कप में उन्हें टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया।''

वहीं मनीषा को पहली बार साल की सर्वश्रेष्ठ महिला फुटबॉलर का सम्मान मिला है। इससे पहले वह साल 2020-21 सत्र में साल की सर्वश्रेष्ठ उभरती हुई महिला फुटबॉलर बनी थीं।

कोच डेनरबी ने कहा, ''मनीषा ने राष्ट्रीय टीम और अपने क्लब के लिए बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं। उसने गोल करने के साथ ही गोल करने में सहायता भी की थी।'' अन्य पुरस्कारों में मार्टिना थोकचोम को 2021-22 के लिए सर्वश्रेष्ठ उभरती हुई महिला फुटबॉलर चुना गया जबकि पुरुष वर्ग में यह पुरस्कार विक्रम प्रताप सिंह की झोली में गया।

राष्ट्रमंडल खेलों में 200 स्वर्ण पदक जीतने वाला चौथा देश बना भारत

बर्मिंघम।(एजेंसी)।

बैडमिंटन महिला एकल के फाइनल में पीवी सिंधू की जीत के साथ हीभारत ने राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में सोमवार को अपना 200 वां स्वर्ण पदक हासिल किया। बर्मिंघम खेलों में भारत ने 22 स्वर्ण जीते जिससे उसके कुल स्वर्ण पदकों की संख्या 203 हो गयी। सिंधू के बाद बैडमिंटन के पुरुष एकल में लक्ष्य सेन जबकि पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग सेन जोड़ीने स्वर्ण जीता। अचंता शरत कमल ने इसके बाद टेबल टेनिस में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदकों की कुल संख्या के मामले मेंऑस्ट्रेलिया (1003 स्वर्ण पदक) शीर्ष पर है जबकि इंग्लैंड (773) दूसरे औरकनाडा (510) तीसरे स्थान पर है। राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने पहला स्वर्ण 1958 में जीता था। यह स्वर्ण महान फर्राटा धावक मिल्खा सिंह ने जीता था। भारत ने इसके बाद हर राष्ट्रमंडल खेलों (1962 और 1986 में भाग नहीं लिया) में स्वर्ण पदक जीता है। इस मामले में दिल्ली में 2010 में हुए राष्ट्रमंडल खेल भारत के लिए सबसे सफल रहे है जिसमें उसने 38 स्वर्ण पदक जीते थे।

पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 90 मीटर पार भाला फेंक जीता गोल्ड, नीरज चोपड़ा बोले- आगे के कॉम्पिटिशनके लिए तैयार रहें

बर्मिंघम।(एजेंसी)।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में पाकिस्तानी भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम ने राष्ट्रमंडल खेलों का एक नया रिकॉर्ड बनाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अरशद नदीम 90 मीटर के निशान को तोड़ने वाले पहले दक्षिण एशियाई बन गए हैं। पाकिस्तान के साथ-साथ उनकी इस उपलब्धि की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। नदीम के इस रिकॉर्ड और कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने पर भारत के भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने भी उन्हें बधाई भेजी है और आगे के कॉम्पिटिशन के लिए तैयार रहने के लिए कहा है। नीरज चोपड़ा ने अपने बधाई संदेश में लिखा कि अरशद भाई गोल्ड मेडल जीतने के लिए आपको बहुत-बहुत बधाई। 90

मीटर पार करने के लिए और आगे के कॉम्पिटिशन के लिए बधाई। उनके इस बधाई संदेश की पोस्ट को बिजनैसमेन आनंद महिंद्रा ने शेयर कर लिखा कि- यह कितनी प्यारी दुनिया है। कैसे दो गोल्ड मेडलिस्ट एक दूसरे का सम्मान कर रहे हैं। यह मेडल पाकिस्तान के लिए बेहद ही खास है। पिछले 56 साल में पाकिस्तान के एक भी एथलेटिक्स ने मेडल हासिल नहीं किया था, मगर अरशद ने मेडल जत कर देश का नाम रौशन किया है। बता दें कि, इस बार चोट के कारण नीरज चोपड़ा कॉमनवेल्थ गेम्स में भाग नहीं ले पाए थे। इस बार पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 90.18 मीटर दूर भाला फेंका हैं, यह रिकॉर्ड अभी नीरज चोपड़ा भी नहीं बना पाए हैं। नीरज चोपड़ा की अनुपस्थिति में अरशद ने एंडरसन पीटर्स, जूलियस येगो और केशोर्न वालकॉट को 90.18 मीटर थ्रो के साथ हराकर स्वर्ण पदक जीतने के अपने पांचवें प्रयास में राष्ट्रमंडल खेलों में जेवलिन थ्रो में पाकिस्तान के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता।

शतरंज ओलिम्पियाड के गैस्ट बनेंगे महेंद्र सिंह धोनी, समापन समारोह में करेंगे शिरकते

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी 44वें शतरंज ओलिम्पियाड के समापन समारोह का मुख्य आकर्षण होंगे। यहां मामल्लापुरम में खेले जा रहे शतरंज ओलिम्पियाड का 11वें और अंतिम दौर की बाजियों के साथ मंगलवार को समापन होगा। शतरंज ओलिम्पियाड का पहली बार भारत में आयोजन किया गया जिसमें ओपन और महिला वर्ग में रिकॉर्ड टीमों ने हिस्सा लिया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन समापन समारोह की अध्यक्षता करेंगे। विश्व शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे के के अध्यक्ष अर्कडी ड्वोरकोविच तथा हाल ही में उपाध्यक्ष चुने गए और पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद कार्यक्रम में शामिल होंगे। इंडियन प्रीमियर लीग की टीम चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान धोनी कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 अगस्त को नेहरू इनडोर स्टेडियम में ओलंपियाड का उद्घाटन किया था।

आईसीसी रैकिंग : युवा खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स की शीर्ष 10 में वापसी

दुबई: भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग के शीर्ष 10 बल्लेबाजों में जगह बना ली है। आईसीसी की ओर से मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग के अनुसार रोड्रिग्स सात पायदान ऊपर उठकर 630 पॉइंट के साथ 10वें स्थान पर आ गयी हैं। उन्होंने बर्मिंघम 2022 में भारत के लिये 146 रन बनाये, जिसकी बदौलत वह अक्टूबर 2021 के बाद पहली बार शीर्ष 10 में जगह बना पाई हैं। स्मृति मंधाना (चौथा पायदान) और शेफाली वर्मा (छठा पायदान) पहले से ही टी20 बल्लेबाजों के शीर्ष 10 में कायम हैं। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी अपनी हमवतन मेग लेनिंग को पछाड़कर पहले पायदान पर आ गई हैं। मूनी ने राष्ट्रमंडल खेल के फाइनल में भारत के खिलाफ 41 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 70 रन और न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 36 रन का योगदान भी दिया था, जिसने उन्हें 743 रेटिंग के साथ पहले पायदान पर पहुंचा दिया है।

कीरोन पोलार्ड 600 टी20 मैच खेलने वाले पहले क्रिकेटर बने, इस तरह बड़ी उपलब्धि को बनाया यादगार

लंदन (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड सोमवार को बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। पोलार्ड 600 टी20 मैच खेलने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं। लॉर्ड्स में चल रहे द हंड्रेड टूर्नामेंट के दौरान मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के खिलाफ लंदन स्पिरिट्स मैच के दौरान हार्ड-हिटिंग बल्लेबाज ने यह उपलब्धि हासिल की। पोलार्ड ने इस मौके को यादगार बनाना सुनिश्चित किया। उन्होंने महज 11 गेंदों में एक चौके और चार बड़े छक्कों की मदद से नाबाद 34 रन की पारी खेली।

पोलार्ड के पास टी20 क्रिकेट में शानदार आंकड़े हैं। उन्होंने 600 मैचों में 31.34 की औसत से 11,723 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 104 है। पोलार्ड ने प्रारूप में एक शतक और 56 अर्धशतक बनाए हैं। उन्होंने 4/15 के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़ों के साथ 309 विकेट भी लिए हैं।

हाल ही के वर्षों में पोलार्ड ने कई टी20 टीमों/फ्रैंचाइजी का प्रतिनिधित्व किया है जिसमें विशेष रूप से वेस्टइंडीज, घरेलू टीम त्रिनिदाद और टोबैगो, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस, बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स और मेलबर्न रेनेगेड्स, बांग्लादेश में ढाका ग्लैडिएटर्स और ढाका डायनामाइट्स शामिल हैं। प्रीमियर लीग (बीपीएल), कराची किंग्स, मुल्तान सुल्तान्स और पाकिस्तान सुपर लीग में पेशावर जाल्मी, कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में त्रिनबागो नाइट राइडर्स में भी वह खेले हैं। पोलार्ड बाद ड्वेन ब्रावो (543 मैच), शोएब मलिक (472), क्रिस गेल (463) और रवि बोपारा (426) हैं।

मैच की बात करें तो पोलार्ड के आक्रमण ने उनकी टीम को 100 गेंदों में 160/6 पर पहुंचा दिया। कप्तान इयोन मोर्गन (37) और सलामी

बल्लेबाज जाक क्रॉली (41) ने भी योगदान दिया। मैनचेस्टर ओरिजिनल्स केवल 108 रन ही बना सका और सभी खिलाड़ी ढेर हो गए। फिल साल्ट 36 रन के साथ शीर्ष स्कोरर थे जबकि जॉर्डन थॉम्पसन 4/21 लंदन स्पिरिट टीम के लिए अग्रणी गेंदबाज थे। लंदन स्पिरिट ने 52 रन से मैच जीत लिया।

भारत के लिए सिर्फ एक प्रारूप में खेलने के बावजूद निराशा की भावना नहीं: धवन

हरारे (एजेंसी)।

नई दिल्ली - भारतीय टीम के लिए सिर्फ एक प्रारूप में खेलने के बावजूद सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को कोई मलाल नहीं है और वह इसमें अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखना चाहते हैं। सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में वेस्टइंडीज दौरे पर एकदिवसीय प्रारूप में टीम की अगुवाई करने वाले धवन ने अपने 37वें जन्मदिन से पहले खुद से वादा किया है कि वह जब तक टीम के लिए उपयोगी रहेंगे तभी तक खेलेंगे।

धवन ने वेस्टइंडीज में एकदिवसीय श्रृंखला में टीम की सफलतापूर्वक अगुवाई करने के बाद पीटीआई-

भाषा को दिये विशेष साक्षात्कार में कहा, 'मैं जब तक भारत के लिए खेलूंगा, टीम के लिए उपयोगी रहूंगा। मैं टीम पर बोझ बनाना पसंद नहीं करूंगा।' धवन ने साल 2020 की शुरुआत से वेस्टइंडीज दौरे तक भारत के लिए 22 एकदिवसीय में 10 अर्धशतक की मदद से 975 रन बनाये और भारतीय खिलाड़ियों में यह आंकड़ा सबसे ज्यादा है।

धवन से जब इन आंकड़ों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'मैं शांत और परिपक्व व्यक्ति हूं। यह प्रदर्शन मेरे अनुभव को दर्शाता है।' उन्होंने कहा, 'खेल को लेकर मेरी समझ काफी मजबूत है और मैंने अपनी तकनीक में सुधार के लिए काफी मेहनत की है। एक प्रारूप को समझना भी बहुत महत्वपूर्ण है। मैं एकदिवसीय प्रारूप की जरूरतों को समझता हूं और इससे मुझे बहुत मदद मिली है' पूरी दुनिया में जब टी20 प्रारूप की लोकप्रियता काफी बढ़ गई है और एकदिवसीय श्रृंखलाओं के आयोजन में कमी आई है।

कैनेडियन ओपन : खिताब का बचाव करने के लिए तैयार हैं मेदवेदेव

मॉन्ट्रियल । राफेल नडाल, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच की अनुपस्थिति में शीर्ष वरीयता प्राप्त और मौजूदा चैंपियन दानिल मेदवेदेव नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट (कैनेडियन ओपन) में अपने खिताब का बचाव करने के लिए तैयार हैं। मेदवेदेव को पहले दौर में 'बाई' मिली है और दूसरे दौर में उनका सामना बुधवार को निक किर्गियोस से हो सकता है जिन्होंने हाल में सिटी ओपन का खिताब जीता था। मेदवेदेव विंबलडन में नहीं खेल पाए थे क्योंकि यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण ऑल इंग्लैंड क्लब ने रूसी खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा दिया था। उन्होंने हालांकि हाल में एक भी सेट गंवाए बिना मैक्सिको ओपन का खिताब जीता था। मेदवेदेव ने कहा, 'मुझे अभ्यास के लिए दो दिन का अतिरिक्त समय मिल रहा है। इसके बाद मैं टूर्नामेंट में अपनी शुरुआत करूंगा। निश्चित तौर पर मैं जीत के लिए भूखा हूं।' नडाल ने चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर अपना नाम वापस ले लिया था। फेडरर घुटने की चोट जबकि जोकोविच कोविड टीकाकरण नहीं करवाने के कारण इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं। इस बीच फिनलैंड के एमिल रुसुवुओरी ने सोमवार को स्विट्जरलैंड के स्टेन वावरिंका को 6-3, 3-6, 6-3 से हराया।

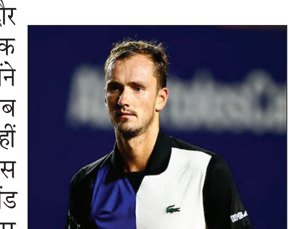

सेरेना ने फ्रेंच ओपन 2021 के बाद जीता पहला मैच, कहा- भूल गई थी कि जीत का अहसास

टोरंटो। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने फ्रेंच ओपन 2021 के बाद अपनी पहली जीत दर्ज की जिसके बाद उन्होंने कहा कि वह भूल गई थी कि जीत का अहसास कैसा होता है। सेरेना ने नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में नूरिया पारिजास डियाज को 6-3, 6-4 से हराकर शानदार शुरुआत की। उन्होंने मैच के बाद कहा, 'मैं जीत दर्ज करके खुश हूं। यह जीत मुझे लंबे समय बाद मिली है। मैं भूल गई थी कि जीत का अहसास कैसे होता है।' चालीस वर्षीय सेरेना का यह सत्र का केवल दूसरा टूर्नामेंट है। उन्होंने एक महीने पहले ही विंबलडन में वापसी की थी लेकिन 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन यह खिलाड़ी पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गई थी। सेरेना का नेशनल बैंक ओपन में अगला मुकाबला बेलिंडा बेनसिच या टेरेजा मार्टिनकोवा से होगा।

प्रभाकर अब नेपाल क्रिकेट टीम को कोचिंग देंगे

मुम्बई । पूर्व भारतीय क्रिकेटर मनोज प्रभाकर अब नेपाल क्रिकेट टीम को कोचिंग देंगे। नेपाल क्रिकेट बोर्ड ने प्रभाकर को श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर पुबुदु दासनायके की जगह शामिल किया है। दासनायके ने पिछले माह ही पद छोड़ दिया दिया था क्योंकि उन्हें कनाडाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद संभालना था। प्रभाकर ने साल 1984 से लेकर 1996 तक 39 टेस्ट और 130 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह इससे पहले दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की रणजी टीम के कोच रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया से शर्मनाक हार के बाद भारतीय कोच का बयान, हमारे पास ऊर्जा और कौशल की कमी थी

बर्मिंघम।(एजेंसी)।

राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में बेहद ही खराब प्रदर्शन से निराश भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कोच ग्राहम रीड ने अपने खिलाड़ियों की आलोचना करते हुए कहा कि उनके पास मजबूत ऑस्ट्रेलिया को हराने के लिए जरूरी ऊर्जा और कौशल की कमी थी। एकतरफा फाइनल में भारतीय टीम को 7-0 से शर्मनाक हार के बाद रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा।

टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम को हर विभाग में ऑस्ट्रेलिया ने बौना साबित कर दिया। दिल्ली राष्ट्रमंडल खेल 2010 की कड़वी यादें हॉकी प्रेमियों के जेहन में फिर ताजा हो गई जब फाइनल में आस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को 8-0 से हराया था। रीड ने मैच के बाद कहा, 'ऊर्जा नाम की एक चीज होती है और मुझे नहीं लगता कि वह आज हमारे पास वह थी।' उन्होंने कहा, 'जब आप ऑस्ट्रेलिया से खेलते हैं तो कभी-कभी ऐसा हो सकता है। लेकिन मैं निराश हूं कि हम बिल्कुल भी अच्छा नहीं खेल पाए। हमने खुद को नीचे दिखाया। मैच से पहले हमने जिन चीजों के बारे में बात की, वह नहीं कर सके। यह निराशाजनक है।'

राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया की भारतीय टीम पर यह तीसरी जीत है। टीम को इससे पहले दिल्ली और ग्लासगो (2014) में भी ऑस्ट्रेलिया ने हराया था। रीड ने दबाव के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'बड़े स्तर पर दबाव हमेशा रहेगा। यह कभी दूर नहीं होगा। कौन जानता है कि इतिहास क्या है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। मैंने उनसे कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और परिणाम खुद आएगा। जैसा कि मैंने कहा कि हमें अभी बहुत सुधार करना है।'

सबसे ज्यादा निराशा पीआर श्रीजेश के रहे जो अपने आखिरी राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा ले रहे थे। अगर श्रीजेश गोल के आगे नहीं होते तो हार का अंतर और अधिक होता। उनके लिए इस हार को पचा पाना मुश्किल था। उन्होंने कहा, 'हमने रजत मेडल नहीं जीता, हमने स्वर्ण गंवाया। यह निराशाजनक है, लेकिन राष्ट्रमंडल खेलों जैसे टूर्नामेंट में फाइनल में पहुंचना बहुत अच्छी बात है।'

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं ? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुक्सान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है। इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं! यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें.आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना
राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है ः- प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विदेश मंत्री जयशंकर ने यूक्रेनी समकक्ष के साथ की युद्ध पर चर्चा

वाशिंगटन। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूक्रेन के समकक्ष दिमित्रो कुलेबा के साथ बातचीत की। उन्होंने इस दौरान यूक्रेन के रूस के साथ युद्ध के ताजा घटनाक्रम और इसके दुनिया पर पड़ रहे प्रभावों पर भी बातचीत की। जयशंकर ने भारत की ओर

से मानवीय मदद की नई खेप जल्द यूक्रेन पहुंचाने का भी आश्वासन दिया। एस. जयशंकर ने एक ट्वीट में यह जानकारी दी। रूस-यूक्रेन विवाद पर भारत का रुख है कि यह मामला कूटनीति और बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए।

कोरोना के कोहराम के बीच चीन में मिला नया वायरस, 35 लोग मिले संक्रमित

ताईपे। चीन में कोरोना के कोहराम के बीच नया वायरस मिला है। ताइवान की सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के मुताबिक, चीन में जूनोटिक लैंग्या वायरस मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वायरस

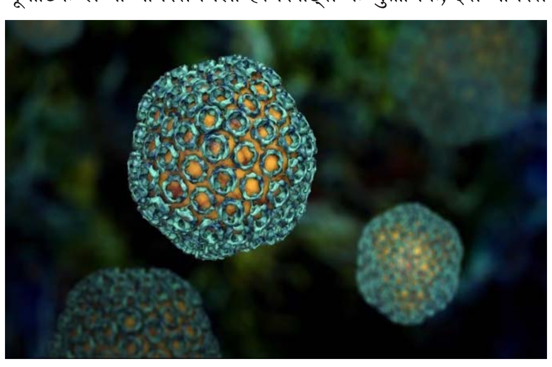

से अब तक 35 लोग संक्रमित मिले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस वायरस की पहचान और प्रसार की निगरानी के लिए न्यूक्लिक एसिड परीक्षण विधि का उपयोग किया जाएगा। ताइपे टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, लैंग्या वायरस चीन के शेडोंग और हेनान प्रांत में पाया गया है। शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक यह वायरस जानवरों से इंसानों में फैल रहा है।

इंसानों से संक्रमण के नहीं मिले संकेत

ताइवान के सीडीसी के उप महानिदेशक चुआंग जेन-हिसियांग ने बताया, अभी तक इस वायरस के इंसानों से इंसानों में संचरण के संकेत नहीं मिले हैं। हालांकि, अभी यह जांच की जा रही है कि इस वायरस के मनुष्यों के बीच प्रसार की कितनी संभावना है। उन्होंने बताया सीरोलॉजिकल सर्वे की रिपोर्ट के मुताबिक, करीब दो प्रतिशत बकरियां और पांच प्रतिशत कुत्तों में लैंग्या वायरस की पुष्टि हुई है।

पाकिस्तान के रावलपिंडी में डेंगू के बढ़ते मामले को देखते हुए आपातकाल घोषित

रावलपिंडी। पाकिस्तान के रावलपिंडी में डेंगू के बढ़ते मामले को देखते हुए आपातकाल घोषित कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू के लिए रावलपिंडी जिले को सर्वाधिक संवेदनशील करार दिया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक, पंजाब स्वास्थ्य विभाग ने लाहौर जिले को भी सबसे संवेदनशील घोषित किया है। हालात पर काबू पाने के लिए जिले में 1,000 से अधिक टीमों का गठन किया गया है। आंकड़ों के मुताबिक जिले भर में डेंगू के संदिग्ध मरीजों की संख्या 91 पहुंच गई है, जिनमें से 29 मरीजों में डेंगू वायरस पाया गया है। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि डेंगू रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अधिकारी ने डेंगू के बढ़ते मामलों के बारे में और जानकारी देते हुए कहा कि कहुता और चक जलालदीन ऐसे इलाके हैं जहां से सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। इसके अलावा शहर के भीतरी इलाकों और छावनी क्षेत्रों के रिहायशी इलाकों में लगातार बड़ी संख्या में डेंगू के लार्वा पाए जा रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि डेंगू रोधी मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन नहीं करने के लिए 724 से अधिक लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। अगस्त के पहले सप्ताह में, 98,120 घरों की जांच के दौरान 1,357 घरों में डेंगू के लार्वा पाए गए। डेंगू रोधी अभियान के तहत 297 भवनों को सील किया गया, जबकि अब तक लापरवाही के लिए 23 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया जा चुका है।

चीन के हर हमले का जवाब देने के लिए तैयार ताइवान, शुरू किया युद्धाभ्यास

ताईपे। अड़ियल चीन के हर हमले का जवाब देने के लिए ताइवान ने भी तैयारी शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि चीनी हमले से खुद की रक्षा करने के लिए ताइवान ने भी युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है। ताइवान की आठवीं सेना कोर के प्रवक्ता लू वोई-जे ने पुष्टि की है कि पिंगटुंग के दक्षिणी काउंटी में तोपखाने और हथियारों का युद्धाभ्यास शुरू हो गया है।

यह कदम तब उठाया गया है, जब चीन ने ताइवान के समुद्र और वायु क्षेत्र में नए युद्धाभ्यास की घोषणा कर दी। इतना ही नहीं, बीते दिनों शुरू किए गए युद्धाभ्यास को भी जारी रखा, जो सात अगस्त को खत्म होना था। चीनी सेना की पूर्वी थिएटर कमांड ने कहा कि वह ताइवान द्वीप के पास अपना अभ्यास जारी रखेगी और उसका जोर पनडुब्बी रोधी कार्रवाई तथा हवा से पोत पर हमला करने पर है। उधर, ताइवान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि चीन आक्रमण की तैयारी के लिए अभ्यास कर रहा है। वह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में 'यथास्थिति बदलने' की कोशिश कर रहा है।

चार से सात अगस्त तक होना था युद्धाभ्यास

पहले यह अभ्यास 4 से 7 अगस्त तक चलना था। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी द्वारा गत सप्ताह ताइपे की यात्रा के विरोध में अपने सबसे बड़े अभ्यास के निर्धारित अंतिम के एक दिन बाद चीन ने यह एलान किया है। चीन अपना नया

अभ्यास कहां करेगा और यह कितने दिन चलेगा, अभी इसके बारे में सटीक जानकारी नहीं मिल सकी है।

बमवर्षक विमानों ने ताइवान स्ट्रेट में चक्कर लगाए

थिएटर कमान के तहत वायु सेना ने अलग अलग तरह के विमानों को तैनात किया जिनमें पूर्व चेतावनी विमान, बम वर्षक विमान, लड़ाकू विमान आदि शामिल हैं। वायु सैनिकों ने लंबी दूरी की कई रॉकेट प्रणालियों और पारंपरिक मिसाइल सैनिकों के साथ मिलकर लक्ष्यों पर संयुक्त रूप से सटीक हमलों का अभ्यास किया। इनमें नौसेना और वायु युद्ध प्रणालियों से उन्हें मदद मुहैया कराई गई। कई बम वर्षक विमानों ने उत्तर से दक्षिण और दक्षिण से उत्तर की ओर ताइवान जलडमरूमध्य के आसमान में चक्कर लगाए जबकि कई लड़ाकू विमानों ने विध्वंसकों और युद्धपोत के साथ साझा अभ्यास किया।

बौखलाया चीन बोला, अमेरिका को भुगतने होंगे गंभीर परिणाम

चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वू कियान ने एक बार फिर बौखलाहट दिखाई है। वू ने कहा, ताइवान जलडमरूमध्य में मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति पूरी तरह से अमेरिकी पक्ष द्वारा उकसाई और बनाई गई है। अमेरिकी पक्ष को इसके लिए पूरी जिम्मेदारी लेनी होगी और गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने की तनाव कम करने की अपील

ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने ताइवान के आसपास जारी तनाव में कमी लाने की अपील की है। इससे पहले वोंस ने नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के परिणामस्वरूप चीन द्वारा शुरू किए गए अभ्यास की आलोचना की थी।

चीनी दूतावास ने ऑस्ट्रेलिया पर अमेरिका की भाषा बोलने का आरोप लगाया। इस चीनी टिप्पणी पर वोंग ने कहा, इस समय तनाव कम करना सबसे महत्वपूर्ण है। इस मामले में शांति बहाल की जानी चाहिए।

रोहिंग्याओं की वापसी के लिए बांग्लादेश ने चीन से मांगा सहयोग, शरणार्थियों को लौटाने की कोशिशें जारी

ढाका। बांग्लादेश ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी की यात्रा के दौरान उनसे रोहिंग्या शरणार्थियों की म्यांमार वापसी में मदद का अनुरोध किया है। जबकि वांग यी ने यहां बुनियादी ढांचे के विकास के लिए बेहतर व्यापार संबंधों, निवेश और समर्थन का वादा किया है।

चीन ने म्यांमार में अपने प्रभाव का इस्तेमाल नवंबर 2017 के समझौते के लिए किया था। यह अगस्त 2017 में म्यांमार में उत्पीड़न के चलते देश छोड़ने वाले करीब 7,00,000 रोहिंग्या मुस्लिम शरणार्थियों को बांग्लादेश से वापस करने से संबंधित है। शरणार्थियों को कई बार लौटाने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने

म्यांमार में खतरे का हवाला देते हुए वापसी से इनकार कर दिया है।

उनका दावा है कि म्यांमार में सैन्य तख्तापलट के बाद हालात और गंभीर हो गए हैं। बांग्लादेश के विदेश मामलों से जुड़े मंत्री शहरयार आलम ने बताया कि यी के यहां से रवाना होने से पूर्व उन्होंने द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। यी ने प्रधानमंत्री शेख हसीना तथा विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन से भी मुलाकात की।

बांग्लादेश में चीन सक्रिय

बांग्लादेश में चीन की 500 से अधिक टुकड़ियां सक्रिय हैं। चीन यहां की सभी प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में संलिप्त है और 3.6 अरब डॉलर की लागत से पद्मा नदी पर सबसे बड़ा पुल बनाने में भी उसने मदद की है। बांग्लादेश ने चीन के 'एक चीन सिद्धांत' का भी समर्थन किया है।

अमेरिकी बोस्टन शहर में मनेगा भारतीय आजादी का खास जश्न, 220 फुट लंबा ध्वज फहराया जाएगा

बोस्टन। अमेरिका के बोस्टन शहर में भारत की आजादी की 75वीं वर्षगांठ का जश्न खास ढंग से मनाया जाएगा। इसमें 32 देश भाग लेंगे और शहर पर एक विमान से 220 फुट लंबा भारत-अमेरिका का ध्वज फहराया जाएगा। 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन (एफआईए)- न्यू इंग्लैंड' के अध्यक्ष अभिषेक सिंह ने कहा कि इस साल, भारत की आजादी के जश्न समारोह में कई चीजें पहली बार होंगी। मैसाचुसेट्स के गवर्नर चार्ली बेकर ने स्वतंत्रता दिवस के 75 वर्षों को 'भारत दिवस' घोषित किया, जो 15 अगस्त को बोस्टन में इंडिया स्ट्रीट पर और इससे एक दिन पहले 14 अगस्त को रोड आइलैंड में स्टेट हाउस में मनाया जाएगा। इस मौके पर परेड में ग्रैंड मार्शल के तौर पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर आरपी सिंह मौजूद रह सकते हैं। एफआईए न्यू इंग्लैंड 'आजादी का अमृत महोत्सव' के बैनर तले भारत की आजादी के 75 वर्षों का जश्न मना रहा है। एफआईए ने कहा कि अमेरिका के इतिहास में पहली बार 32 देशों के लोग भारत दिवस परेड में शामिल होने जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इस अवसर पर पहले से रिकॉर्ड किया गया एक संदेश भेजा है। गोयल ने अपने संदेश में कहा, भारत-अमेरिका संबंधों ने लंबा सफर तय किया है।

अफगानिस्तान से सैन्य वापसी के बाद अमेरिका की जासूसी निगाह चीन पर

वाशिंगटन। केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के आतंक रोधी केंद्रीय सदस्यों की हाल ही में बंद कमरे में हुई बैठक में एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्पष्ट किया कि अलकायदा व अन्य कट्टरपंथी गुटों से लड़ाई प्राथमिकता रहेगी। दूसरी तरफ, एजेंसी के कोष एवं संसाधनों को चीन से निपटने के लिए लगाया जाएगा।

ड्रोन हमले में अलकायदा के सरगना अयमान अल-जवाहिरी को मौत के घाट उतारने के बाद भी सीआईए के आतंकवाद से निपटने पर विचार नहीं बदले हैं। एजेंसी के उप निदेशक डेविड कोहेन ने बैठक में कहा कि अमेरिका आतंकियों से निपटना जारी रखेगा, हालांकि उसकी प्राथमिकता चीन की रणनीति समझने और उसका मुकाबला करने की होगी। अफगानिस्तान से सैन्य कार्रवाई खत्म करने का एक साल पूरा होने के बावजूद राष्ट्रपति जो बाइडन और शीर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी आतंकवाद के खिलाफ कम और चीन-रूस द्वारा पैदा किए गए सियासी, आर्थिक व सैन्य खतरों से निपटने पर अधिक जोर दे रहे हैं।

चीन से निपटने के लिए नियुक्तियां

खुफिया एजेंसियों में कई अधिकारियों को चीन से निपटने के लिए विभिन्न पदों पर नियुक्त किया जा रहा है, जबकि इनमें से कुछ अधिकारी पहले आतंकवाद से निपटने के लिए काम कर रहे थे। अल-जवाहिरी की मौत के बाद का घटनाक्रम बताता है कि अमेरिका को एक ही समय में दोनों से निपटना होगा, क्योंकि अमेरिकी प्रतिनिधिसभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा के विरोध में चीन ने अमेरिका से सभी रिश्ते खत्म करने की धमकी दी है।

चीन पर नजर रखना जरूरी

चीन की बढ़ती राजनीतिक और आर्थिक महत्वाकांक्षाओं से अमेरिका लंबे समय से चिंतित है। खुफिया अधिकारियों ने कहा कि कोविड-19 की उत्पत्ति का कारण नहीं बताने के बाद उन्हें चीन पर अधिक नजर रखने की जरूरत है। वहीं, यूक्रेन में युद्ध के बाद से रूस पर नजर रखना भी जरूरी हो गया है।

बलोचिस्तान में बाढ़ : पीड़ितों को बिना पहचान पत्र राशन नहीं, इस नियम से सबकुछ खो चुके लोगों में रोष

बलोचिस्तान। पाकिस्तान में कई जगह बारिश-बाढ़ से मची तबाही के बीच उसका अमानवीय चेहरा सामने आ रहा है। बाढ़ से घिरे बलोचिस्तान प्रांत में पीड़ितों ने प्रशासन पर मूल राष्ट्रीय पहचान पत्र मांगकर उन्हें राशन देने से इनकार करने का आरोप लगाया है। इससे लोगों में काफी रोष बढ़ रहा है।

जियो न्यूज के अनुसार, अधिकारी कथित तौर पर सत्यापन उद्देश्यों के लिए राष्ट्रीय पहचान पत्र की मांग कर रहे हैं। पीड़ितों ने कहा है कि जब उनके घरों में बाढ़ आई तो सब कुछ खो चुके लोगों ने जब मदद की गुहार लगाई तो उनसे पहचान पत्र मांगा गया। जबकि यह पहचान पत्र भी बाढ़ में बह चुका है।

उधर, पीड़ितों के लिए आने वाले राशन पर भी इसकी मांग रखी गई। उधर एक कार्ड पर 10 लोगों का परिवार चलाने की भी बड़ी दिक्कत है। प्रशासन ने इस सभी मुद्दों पर चुप्पी साध रखी है। इसका सबसे ज्यादा असर लासबेला जिले में देखने को मिला है।

18 हजार से अधिक घर हुए तबाह

प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, बलोचिस्तान में बाढ़ के कारण कुल 18,087 घर क्षतिग्रस्त या ध्वस्त हो गए हैं। बारिश के कारण नलकूप, सौर पैनल और संचार के अन्य साधन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। गत माह पाकिस्तान में असामान्य रूप से तेज मानसूनी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से 549 लोगों की मौत हो गई है, जिसमें बलोचिस्तान प्रांत के ग्रामीण इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के घर पर एफबीआई का छापा, पूर्व राष्ट्रपति बोले- मुझे 2024 का चुनाव लड़ने से रोक रहे

वाशिंगटन। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आलीशान पॉम हाउस और रिजॉर्ट मार-ए-लीगो पर सोमवार देर रात (भारत में मंगलवार तड़के) छापा मारा है। जांच एजेंसी के एजेंट ट्रंप के घर को घेरे हुए हैं और तलाशी ली जा रही है। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने यह दावा किया है, हालांकि एफबीआई ने इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। ट्रंप का यह निवास फ्लोरिडा में पाम बीच पर स्थित है। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर जारी किए गए अपने एक वक्तव्य में कहा कि मेरे पॉम बीच स्थित खूबसूरत घर मार-ए-लीगो को एफबीआई ने कब्जे में ले लिया है। यहां की तलाशी ली जा रही है। यहां एफबीआई के एजेंट मौजूद हैं। मीडिया ने जब एफबीआई के प्रवक्ता से इस संबंध में और जानकारी के लिए संपर्क साधा तो उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

छापामार टीम ने मेरी सेफ को भी तोड़ दिया

पूर्व राष्ट्रपति ने यह नहीं बताया कि एफबीआई के एजेंट मार-ए-लागो में क्यों पहुंचे? उन्होंने कहा कि छापे का कोई नोटिस नहीं दिया गया था। छापामार टीम ने मेरी सेफ को भी तोड़ दिया है। ट्रंप ने कहा, 'एफबीआई की यह कार्रवाई बदले की राजनीति है। यह अमेरिका के लिए बुरा वक्त है,

जब जांच एजेंसी ने 45 वें राष्ट्रपति के घर पर छापा मारा है। अमेरिका में किसी पूर्व राष्ट्रपति के साथ ऐसा कभी नहीं हुआ। संबंधित जांच एजेंसियों की मदद करने व उनका सहयोग करने के बावजूद बगैर सूचना दिए मेरे घर पर छापा मारा गया है। यह अनावश्यक व अनुचित है।'

छापे के दौरान ट्रंप घर में मौजूद नहीं थे

यह कार्रवाई ऐसे वक्त की गई है, जब जब 6 जनवरी मामले में चयन समिति ने हालिया सुनवाई में कहा था कि तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने बेकाबू भीड़ को रोकने में दखल नहीं देने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि उनके समर्थकों ने यूएस कैपिटल पर हमला किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के मुताबिक, उसके साथ बातचीत ट्रंप के करीबियों ने बताया कि यह कार्रवाई बिना किसी नोटिस के हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, छापे के दौरान ट्रंप घर में मौजूद नहीं थे। वह अभी न्यूजर्सी में हैं।

कार्रवाई से भड़के ट्रंप ने कहा- यह न्याय प्रणाली का शस्त्रीकरण

एफबीआई के छापे से बुरी तरह भड़के ट्रंप ने कहा 'यह अभियोजन पक्ष का कदाचरण है और न्याय प्रणाली का शस्त्रीकरण है। यक कट्टरपंथी डेमोक्रेट्स का हमला है, जो हताश होकर मुझे 2024 का चुनाव लड़ने से रोकना चाहते हैं। हाल के चुनावों को देखते हुए वे इसमें खासतौर से अडंगे डाल रहे हैं। आगामी मध्यावधि चुनाव में वे रिपब्लिकन और कंजरवेटिव को रोकने के लिए कुछ भी करेंगे।'

वाटरगेट स्कैंडल से की कार्रवाई की तुलना

ट्रंप ने अमेरिका में भ्रष्टाचार अल्प विकसित (थर्ड वर्ल्ड) देशों के स्तर तक पहुंचने का आरोप लगाते हुए इस कार्रवाई की

> *यहां की तलाशी ली जा रही है। यहां एफबीआई के एजेंट मौजूद हैं। मीडिया ने जब एफबीआई के प्रवक्ता से इस संबंध में और जानकारी के लिए संपर्क साधा तो उन्होंने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।*

तुलना वाटरगेट कांड से कर दी। उन्होंने सवाल किया कि इस कार्रवाई और वाटरगेट में क्या अंतर है? वाटरगेट कांड के वक्त जांच एजेंसियों ने डेमोक्रेट नेशनल कमेटी पर छापेमारी की थी। बता दें, वाटरगेट कांड अमेरिकी इतिहास का बड़ा राजनीतिक स्कैंडल है। यह 1972 से 1974 तक अमेरिकी राष्ट्रपति रहे रिचर्ड निक्सन के कार्यकाल के दौरान हुआ था और इसके चलते उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था।

क्या है अमेरिका का चर्चित वाटरगेट कांड

1969 के अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार रिचर्ड निक्सन अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए। उनके कार्यकाल के शुरुआती दो-ढाई साल सब कुछ ठीक चला, लेकिन अंतिम साल में फिर राष्ट्रपति चुनाव की तैयारी शुरू की। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी दल डेमोक्रेटिक पार्टी की चुनावी तैयारियों का पता लगाने के लिए सरकार की ताकत का उपयोग किया। इसके तहत उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी की नेशनल कमेटी के वाटरगेट कॉम्प्लेक्स स्थित दफ्तर की जासूसी शुरू करा दी। जासूसों ने निक्सन की विरोधी पार्टी के दफ्तर में कॉल रिकॉर्डिंग के उपकरण लगा दिए, लेकिन कुछ दिनों बाद ये उपकरण खराब हो गए। इसके बाद 17 जून, 1972 की रात को पांच जासूसों ने फिर से उस दफ्तर में घुसने की कोशिश की, ताकि इन उपकरणों को ठीक किया जा सके। जब वो इन उपकरणों के तारों को जोड़ रहे थे, तभी वहां पुलिस पहुंच गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। अगले दिन अमेरिकी अखबार 'वॉशिंगटन पोस्ट' में गिरफ्तारी की खबर छपी और पूरा मामले का भंडाफोड़ हुआ। इस जासूसी विवाद ने इतना तूल पकड़ा कि निक्सन को पद छोड़ना पड़ा।

कराची में सुरक्षा गार्ड ने गर्भवती महिला को मारा थप्पड़, मुंह पर मारी लात

कराची। पाकिस्तान के कराची शहर में शर्मनाक घटना सामने आई है। सुरक्षा गार्ड ने एक गर्भवती महिला को सरेआम पीटा और उसे जमीन पर पटकने के बाद उसके मुंह पर लात मारी। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने गार्ड को गिरफ्तार कर लिया है।

जियो न्यूज के अनुसार यह घटना कराची के गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में एक अपार्टमेंट की इमारत के बाहर रात में हुई। मारपीट की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसका वीडियो बनाकर लोगों ने सोशल मीडिया में वायरल कर दिया।

वीडियो में सुरक्षा गार्ड महिला से विवाद करता नजर आ रहा है। इसी दौरान वह महिला को थप्पड़ जड़ देता है और धक्का मारता है। महिला जमीन पर गिर जाती है और उठने की कोशिश करती है, तभी गार्ड उसके मुंह पर लात मारता है। पुलिस ने आरोपी गार्ड के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना से पाकिस्तान और खासकर कराची में जनाक्रोश फैल गया। खबरों में कहा गया है कि पीड़ित महिला गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में स्थित नोमान ग्रैंड सिटी में घरेलू कामकाज करती है। उसने पुलिस को बताया कि वह गर्भवती है। 5 अगस्त को तड़के तीन बजे उसने अपने बेटे से कहा कि उसे भूख

लगी है, उसे कुछ खाना भेजे। इस पर जब उसका बेटा खाना लेकर पहुंचा तो वहां तैनात कुछ लोगों ने उसे परिसर में घुसने से रोक दिया। जब वह मौके पर पहुंची तो अपार्टमेंट के आदिल नामक पदाधिकारी ने उसे गुस्से में गालियां देना शुरू कर दिया। इसके बाद आदिल ने गार्ड से कहा कि वह उसे मारे। फिर गार्ड ने उससे मारपीट की और गिरा दिया। इससे वह बेहोश हो गई।

> **वीडियो में सुरक्षा गार्ड महिला से विवाद करता नजर आ रहा है। इसी दौरान वह महिला को थप्पड़ जड़ देता है और धक्का मारता है। महिला जमीन पर गिर जाती है और उठने की कोशिश करती है, तभी गार्ड उसके मुंह पर लात मारता है। पुलिस ने आरोपी गार्ड के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।**

सार समाचार

सिंतबर माह में शुरु होगी भारत जोड़ो यात्रा, कन्याकुमारी से शुरू होकर कश्मीर तक निकालेगी

-150 दिनों में पूरी होगी यह यात्रा

नई दिल्ली । कांग्रेस की ओर से देशभर में 'भारत जोड़ो यात्रा शुरु करने की घोषणा की गई है। यह सितंबर माह में कन्याकुमारी से शुरू होकर कश?मीर तक निकालेगी। जिसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित कांग्रेस के सभी बड़े नेता और कार्यकर्ता शामिल होने वाले है। अपने सफर में यह यात्रा 150 दिनों में 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों से होकर निकलेगी। कांग्रेस की तरफ से लोगों से भी इस यात्रा में भाग लेने की अपील की गई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश द्वारा पार्टी की तरफ से जारी एक बयान में इसकी घोषणा की गई। उन्होंने कहा कि 80 साल पहले महात्मा गांधी के नेतृत्व और प्रेरणा से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया था, जिसने पांच साल बाद हमारे देश को आजादी दिलाई।

भारत जोड़ो यात्रा के बारे में जानकारी देकर उन्होंने कहा कि 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 7 सितंबर 2022 से अपनी कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा शुरू करने की घोषणा करती है। यह पूरी यात्रा पदयात्रा के रूप में 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों से होकर निकलेगी. 3500 किमी की दूरी तय करते हुए यह पदयात्रा लगभग 150 दिनों में संपन्न होगी। राहुल गांधी सहित कांग्रेस के नेतागण और कार्यकर्ता इसमें शामिल होने वाले है।

उन?होंने कहा कि 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस उन सभी से इस 'भारत जोड़ो' यात्रा में शामिल होने की अपील करती है, जो भय, कट्टरता और पूर्वाग्रह की राजनीति तथा आजीविका विनाशक अर्थशास्त्र, बढ़ती बेरोजगारी और पैर पसारती असमानताओं की परिस्थितियों को बदलने का विकल्प प्रदान करने के इस विशाल राष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा बनना चाहते हैं।

70 साल की महिला ने दिया बच्चे को जन्म, शादी के 54 साल बाद घर में आई खुशियां

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले में 70 साल की महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया है। बता दें कि महिला के पति की उम्र 75 साल की है और दोनों की शादी को 54 साल हो गए है। लेकिन दंपत्ति का कोई भी संतान नहीं है। इसी को देखते हुए महिला ने आईवीएफ तकनीक से दपंत्ति के घर बेटे का आगमन हुआ है। डॉक्टरों ने बताया कि महिला की उम्र को देखते हुए उनके गर्भवती होने की कई आशंकाये है लेकिन सब कुछ ठीक रहा और महिला ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। अलवर के इंडो आईवीएफ टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर के साइंटिफिक डायरेक्टर और एंब्रॉयोलॉजिस्ट डॉ पंकज गुप्ता ने बताया की चंद्रावतीकी उम्र 70 साल है और गोपी सिंह झुंझुनूं की उम्र 75 साल और शादी के बाद से दोनों का बच्चा नहीं हुआ जिससे वह काफी दुखी थे। कई जगह इलाज कराने के बावजूद कुछ नहीं हो पाया लेकिन समय बदला और अब दंपत्ति की झोली में खुशियां आ गई है। बता दें कि चंद्रावती देवी 9 महीने पहले आईवीएफ प्रक्रिया से तीसरे प्रयास में गर्भवती हुई लेकिन डॉक्टरों को डर था कि बढ़ती उम्र को देखते हुए सफल डिलीवरी हो पाएगी या नहीं। लेकिन सोमवार को सब संभव हो गया और मां ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। जानकारी के लिए बता दें कि 2022 में भारत की संसद से एक कानून पास हुआ था जिसके मुताबिक अब 50 साल से ऊपर की महिला और पुरुष को कोई भी आईवीएफ निसंतानता केंद्र इलाज नहीं दे पाएंगे और ना ही वे लोग अधिक उम्र में इलाज ले पाएंगे। हालांकि, दंपत्ति ने अपना इलाज इस कानून के आने से पहले ही कर लिया था। गोपी सिंह रिटायर फौजी है।

गालीबाज श्रीकांत त्यागी को नोएडा पुलिस ने किया गिरफ्तार, कई दिनों से था फरार

श्रीनगर। श्रीकांत त्यागी को नोएडा पुलिस ने मेरठ से गिरफ्तार किया है। बता दें कि श्रीकांत चार दिनों से फरार चल रहा था। पुलिस ने तीन लोगों के साथ श्रीकांत को गिरफ्तार किया है। बता दें कि श्रीकांत ने नोएडा के सेक्टर 93 में ग्रैंड ओमेक्स सोसायटी में एक महिला के साथ बदसलूकी की थी। बदसलूकी की वीडियो वायरल होने के बाद ये विवाद काफी ज्यादा बढ़ गया। पुलिस से बचने के लिए श्रीकांत ने रविवार रात के बाद से अपना फोन ऑन नहीं किया था। पुलिस ने श्रीकांत त्यागी की कॉल डिटेल के आधार पर घटना के बाद संपर्क में आए करीबियों को रडार पर ले रही है। उत्तराखंड में ऋषिकेश में श्रीकांत त्यागी की लास्ट लोकेशन दिखी थी।

नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन भी नहीं सुरक्षित, ट्रेन में बिठाने का झांसा देकर फेरीवालों ने नाबालिग का किया रेप

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दो फेरीवालों ने तिलक ब्रिज के पास 17 वर्षीय एक किशोरी के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों फेरीवाले किशोरी को ट्रेन में बिठाने का झांसा देकर तिलक ब्रिज के पास एक सुनसान जगह पर ले गए और उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने बताया कि घटना सोमवार तड़के तिलक ब्रिज के पास रेल पटरी के किनारे झाड़ियों के पास हुई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार फेरीवालों- फरीदाबाद निवासी हरदीप नागर (21), और आगरा जिले का निवासी राहुल (20)नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पानी की बोतलें बेचते हैं। पुलिस उपायुक्त (रेलवे) हरेंद्र कुमार सिंह ने कहा, ''भारतीय दंड संहिता की धारा 376डीके तहत एक मामला दर्ज कर लिया गया है और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुंबई के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी, पांच दिनों तक भारी बारिश होने की संभावना

मुंबई । भारतीय मौसम विभाग ने मुंबई और ठाणे के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है, जिसमें सुबह 10 बजे तक क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर बहुत तेज बारिश की भविष्यवाणी की गई है। आईएमडी के अनुसार, आज सुबह 10 बजे तक मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर में अलग-अलग स्थानों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ बहुत तीव्र बारिश होने की संभावना है। समाचार एजेंसी द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में, तेज हवाओं के साथ भारी बारिश के बीच मुंबई में मरीन ड्राइव से उच्च ज्वार को टकराते देखा जा सकता है।मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि अंधेरी मेट्रो में दो फुट तक पानी जमा होने के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई है। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी ने मंगलवार को पुणे के आसपास के घाट क्षेत्रों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

मुंबई: दाऊद के सहयोगी से धनराशि लेने के आरोप में दो व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की गिरफ्तारी से बचाने के वादे के साथ भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के एक सहयोगी से कई लाख रुपये लेने के आरोप में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। मोहम्मद सलीम मोहम्मद इकबाल कुरैशी उर्फ सलीम फ्रूट को 4 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था जो इब्राहिम और उसके सहयोगियों के खिलाफ धनशोधन, मादक पदार्थ आतंकवाद, तस्करी आदि से जुड़े एक मामले की जांच के सिलसिले में जांच एजेंसियों के रडार पर था। मुंबई पुलिस के जबरन वसूली रोधी इकाई के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि उन्होंने विशाल देवराज सिंह उर्फ विशाल काले और जफर उस्मानी को सलीम फ्रूट से कई लाख रुपये लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने कहा कि दोनों ने रुपये इस नाम पर लिये कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि उसे एनआईए नहीं पकड़े। सूत्रों ने कहा कि हालांकि इसका खुलासा नहीं किया गया है कि दोनों ने कितनी राशि ली लेकिन सूत्रों ने कहा कि यह करीब 50 लाख रुपये हो सकती है। उन्होंने कहा, ''जब सलीम फ्रूट जांच एजेंसियों के रडार पर था, तो दोनों आरोपी उसके पास पहुंचे और पैसे लिये।'' एनआईए ने गत 3 फरवरी को भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों द्वारा तस्करी, नार्को-आतंकवाद, धनशोधन, जाली मुद्रा के प्रचलन, आतंकी वित्तपोषण और लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और अल कायदा सहित अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों के साथ सक्रिय सहयोग में काम करने जैसी आतंकवादी और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित मामला दर्ज किया था।

10 दिन बाद एकनाथ शिंदे सरकार का कैबिनेट विस्तार, 18 मंत्रियों ने ली शपथ

-भाजपा के कोटे से शामिल हुए 9 मंत्री

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र की सत्ता में काबिज होने के बाद एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस सरकार सरकार को अपने कैबिनेट रिसफल में भारी मशक्कत करनी पड़ी। 40 दिनों के लंबे इंतजार के बाद आखिर कैबिनेट विस्तार हो गया है। भाजपा के कोटे से 9 मंत्रियों ने शपथ ली है। एकनाथ शिंदे के खेमे से भी इतने ही विधायकों ने शपथ ली है। सबसे पहले राधाकृष्ण विखे पाटिल ने शपथ ली और फिर दूसरे नंबर पर भाजपा के ही सीनियर नेता सुधीर मुनगंटीवार ने शपथ ली। इसके बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल और फिर विजय कुमार गावित ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ली है। भगत सिंह कोश्यारी ने कुल 18 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई है, जिनमें गिरीश महाजन, गुलाबराव पाटिल, दादा भुसे, संजय राठौड़, सुरेश खाडे, संदीपन भुमरे, उदय सामंत, तानाजी सावंत, रवींद्र चव्हाण, अब्दुल सत्तार शामिल हैं।

इसके अलावा एकनाथ शिंदे गुट के प्रवक्ता रहे दीपक केसरकर और अतुल सावे, शंभूराज देसा और मंगलप्रभात ने भी मंत्री पद की शपथ ली है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि किस नेता को कौन सा विभाग दिया जाएगा, लेकिन चर्चाएं हैं कि डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को होम मिनिस्ट्री मिल सकती है। इसके अलावा भी कई अहम मंत्रालय भाजपा के खाते में जा सकते हैं। शपथ ग्रहण से पहले देवेंद्र फडणवीस के साथ भाजपा विधायकों की बैठक हुई थी। इसके अलावा एकनाथ शिंदे गुट के विधायकों की भी मीटिंग हुई थी।

एकनाथ शिंदे सरकार के कैबिनेट विस्तार में अहम तथ्य यह है कि किसी भी महिला नेता को मंत्री बनने का मौका नहीं मिला है। इस विस्तार के साथ ही महाराष्ट्र मंत्री परिषद के सदस्यों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। बता दें कि 30 जून को एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस ने शपथ ली थी। तब से ही दोनों सरकार चला रहे थे, लेकिन कैबिनेट विस्तार न होने के चलते निंदा हो रही थी। कहा जा रहा है कि भाजपा खेमे से सुधीर मुनगंटीवार, राधाकृष्ण विखे पाटिल, गिरीश महाजन, अतुल सावे जैसे नेताओं को अहम मंत्रालय मिल सकते हैं। अगले एक से दो दिन में मंत्रियों के विभागों का बंटवारा हो सकता है।

अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को 'सुविधा' पोर्टल पर कोविड टीकाकरण प्रमाणपत्र अपलोड करने से मिल सकती है छूट

नई दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार एक इसतरह के प्रावधान को हटाने पर सक्रिय रूप से विचार कर रही है, जिसके तहत अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए भारत आने से पहले 'एयर सुविधा' पोर्टल पर अपना कोविड टीकाकरण प्रमाणपत्र या आरटी-पीसीआर जांच की नकारात्मक रिपोर्ट अपलोड करना जरूरी होता है। सूत्रों ने बताया कि पोर्टल पर ऑनलाइन स्व-घोषणा फॉर्म भरने की मौजूदा अनिवार्यता आगे भी जारी रहेगी। सूत्रों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय यात्री समय-समय पर पोर्टल के काम न करने की शिकायत करते रहे हैं, जिससे उनके लिए स्व-घोषणा फॉर्म हासिल करना और कोविड टीकाकरण प्रमाणपत्र या आरटी-पीसीआर जांच की रिपोर्ट अपलोड करना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि एयर सुविधा पोर्टल पर टीकाकरण प्रमाणपत्र और जांच रिपोर्ट अपलोड करने की अनिवार्यता हटने से उन्हें राहत मिलेगी। सूत्रों के अनुसार, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को होने वाली असुविधा का हवाला देकर हाल ही में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से उस प्रावधान को हटाने के संबंध में राय मांगी है, जिसके तहत उनके लिए एयर सुविधा पोर्टल पर कोविड टीकाकरण प्रमाणपत्र या आरटी-पीसीआर जांच की नेगेटिव रिपोर्ट अपलोड करना अनिवार्य होता है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मंत्रालय जल्द ही इसकी मंजूरी दे सकता है। सूत्रों के मुताबिक, उड्डयन मंत्रालय को अंतरराष्ट्रीय यात्रियों से उनकी यात्रा से पहले प्रमाणपत्र अपलोड करने में आने वाली परेशानियों के बारे में लगातार 'फीडबैक' मिल रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या कोरोनाकाल से पहले के स्तर पर पहुंचने के मद्देनजर कई देशों ने यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न प्रतिबंधों और अनिवार्यताओं में ढील देने की पहल की है।

मुफ्तखोरी के खिलाफ जनहित याचिका के खिलाफ आप ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख

नई दिल्ली।(एजेंसी)।

राजनीतिक दलों द्वारा जनता को मुफ्तखोरी की लत लगाने के विरोध में अश्विनी उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की है। अश्विनी उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर कर ये मांग की है कि मुफ्तखोरी की घोषणा करने वाली पार्टियों की मान्यता रद्द कर दी जाए। अश्विनी उपाध्याय की इस याचिका के खिलाफ दिल्ली और पंजाब की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) ने भी अब सुप्रीम कोर्ट का रुख कर लिया है। आम आदमी पार्टी ने अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप याचिका दायर की है। इस याचिका के जरिये आम आदमी पार्टी ने इस मामले में खुद को भी पार्टी बनाए जाने की मांग की है। आम आदमी पार्टी ने जनता को मुफ्त सामान या सुविधा देने संबंधी घोषणाएं करने को राजनीतिक दलों का लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार बताया है।

आम आदमी पार्टी ने याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का सदस्य बताते हुए उनकी मंशा पर भी सवाल उठाए हैं। आप ने हस्तक्षेप याचिका के जरिए से सुप्रीम कोर्ट से ये अपील की है कि मामले में उसका पक्ष भी सुना जाए और अश्विनी उपाध्याय की याचिका खारिज की जाए। आप ने सुप्रीम कोर्ट से ये भी कहा है कि जनता को मुफ्त पानी, बिजली, ट्रांसपोर्ट, स्वास्थ्य सेवा जैसी सुविधाएं देना लोककल्याण वाली सरकार की जिम्मेदारी है।

आम आदमी पार्टी ने अश्विनी उपाध्याय की इस याचिका को सुप्रीम कोर्ट के उस पुराने फैसले के विपरीत बताया जिसमें कोर्ट ने कहा था कि जनहित याचिका दाखिल करने वाले के हाथ, दिल और मंशा साफ होनी चाहिए। आम आदमी पार्टी ने कहा कि यहां तो ये जनहित याचिका राजनीतिक नजरिये से दायर की गई है। याचिकाकर्ता की मंशा पर सवाल उठाते हुए आम आदमी पार्टी ने मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का भी जिक्र किया हैं जिनमें कोर्ट ने जनहित याचिका दाखिल करने वाले अश्विनी उपाध्याय को खरी-खरी सुनाई थी।

आम आदमी पार्टी की ओर से दाखिल हस्तक्षेप याचिका में ये भी कहा गया है कि अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका विशिष्ट आर्थिक और वित्तीय विकास मॉडल के साथ-साथ जनता के सामूहिक कल्याण की योजनाओं पर भी ज्यूडिशियल एक्शन कराना चाहती है। अगर करदाताओं के टैक्स से भरे सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचना ही मुद्दा है तो खुद केंद्र और कई राज्य सरकारें भी तो बड़े उद्योग घरानों को सब्सिडी देती हैं। वो भी तो मुफ्त में ही बांट रही हैं। ये मानना गलत है कि चुने हुए जन प्रतिनिधि सरकारी खजाने और जनहित को लेकर उदासीन होते हैं। सभी चुनावी हथकंडे नहीं होते।

आम आदमी पार्टी ने ये भी कहा है कि फ्रीबीज यानी मुफ्त सामान या सुविधा बांटने के औचित्य की पड़ताल के लिए कोर्ट आर्थिक विशेषज्ञों की समिति बना सकता है जिसमें केंद्र और हरेक राज्य सरकार के साथ हर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल का नुमाइंदा हो। इसमें रिजर्व बैंक, वित्त आयोग, निर्वाचन आयोग, नीति आयोग, राज्यों के साथ ही केंद्र शासित प्रदेशों के योजना निकाय के साथ-साथ जमीन पर महिलाओं, बच्चों, गरीबों और अनुसूचित जाति जनजाति के लिए काम करने वाले एनजीओ के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में आम आदमी पार्टी ने ये भी कहा है कि सब मिलकर चर्चा करें और कोर्ट को रिपोर्ट सौंप दें कि फ्रीबीज कितना जरूरी है। दिल्ली और पंजाब की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी ने साथ ही ये भी कहा कि सभी को इसे लेकर भी चर्चा करनी चाहिए सरकारी खजाने पर इसका बोझ न पड़े, इसके लिए क्या किया जा सकता है।

आप को गोवा में भी राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त पार्टी का दर्जा, राष्ट्रीय पार्टी बनने के करीब पहुंची आप

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आम आदमी पार्टी को चुनाव आयोग की ओर से खुशखबरी मिली है। आयोग ने पार्टी को गोवा में भी 'राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त पार्टी का दर्जा। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ट्विटर के जरिए सूचना अपने समर्थकों को दी। उन्होंने कहा है कि अगर हम एक और राज्य में मान्यता प्राप्त करते हैं, तब हमें आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय पार्टी घोषित किया जाएगा।

चुनाव आयोग की तरफ से पार्टी संयोजक और सीएम केजरीवाल को भेजे पत्र में कहा गया है कि गोवा विधानसभा 2022 के आम चुनाव में आम आदमी पार्टी के मतदान प्रदर्शन की समीक्षा के आधार पर यह देखा गया है कि आम आदमी पार्टी वर्तमान में दिल्ली और पंजाब में एक पंजीकृत मान्यता प्राप्त पार्टी है, जिसके पास आरक्षित प्रतीक के रूप में झाड़ू है, वह गोव में राज्य पार्टी के रूप में मान्यता के लिए चुनाव चिन्ह (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश 1968 के पैरा 6ए में निर्धारित शर्तों को पूरा करती है। आयोग के अनुसार, आम आदमी पार्टी को गोवा राज्य में एक राज्य पार्टी के रूप में भी चुनाव चिन्ह (आरक्षण एवं आवंटन) आदेश 1968 के प्रावधानों के तहत मान्यता दी जाती है।

पार्टी मुखिया केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली और पंजाब के बाद अब आप गोवा में भी राज्य द्वारा मान्यता प्राप्त पार्टी है। यदि हम एक और राज्य में मान्यता प्राप्त करते हैं, तब हमें आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय पार्टी घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं प्रत्येक वॉलंटीयर को उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई देता हूं। आप और उसकी विचारधारा में विश्वास रखने के लिए मैं लोगों को धन्यवाद देता हूं।

'हर घर तिरंगा अभियान को लेकर स्वामी प्रसाद मौर्य ने अल्पसंख्यक समुदाय को सचेत रहने को कहा

कुशीनगर (एजेंसी)।

कुशीनगर में समाजवादी पार्टी के विधानपरिषद सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य ने 'हर घर तिरंगा' अभियान पर गंभीर सवाल उठाकर अल्पसंख्यक समुदाय को सचेत रहने को कह दिया है। सपा नेता मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी घरों पर तिरंगा लगाने के बहाने अल्पसंख्यकों के खिलाफ साजिश रच रही है। उन्होंने कहा कि एक साजिश के तहत शरारती तत्वों के गुंडे अल्पसंख्यक बस्तियों में जाकर और तिरंगे को पैरों से कुचलने वाले हैं, लेकिन इसका दोष मुस्लिमों पर मढ़ा जाएगा। चुनाव से पहले भाजपा से अलग होकर साइकिल की सवारी करने वाले मौर्य ने कहा कि अगर बस्तियों में तिरंगा लगाने कोई भी युवक जाए, तब अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को उसकी फोटो जरूर खींच लेना चाहिए। उन्होंने कहा इंटेलिजेंस रिपोर्ट है कि ऐसा हर अल्पसंख्यक बस्तियों में किया जाएगा। इसकारण साजिश से बचने के लिए मुसलमानों को अपने घरों पर तिरंगा खुद लगा लेना चाहिए। भाजपा पर हमलावर मौर्य ने कहा कि आज हर मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार फेल है। इसकारण वह हिंदू-मुस्लिम करके समाज को बांटने का काम कर रही है।मौर्य ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने एक होकर के देश को आजादी दिलाई थी। एक तरफ जहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' की हुंकार भरी थी, तब वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी लाठी लेकर देश को आजाद कराने निकल पड़े थे। उन्होंने कहा कि देश को आजाद करने के लिए सरदार भगत सिंह, अशफाक उल्ला खां, चंद्रशेखर आजाद जैसे कई नायकों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। कई महिलाओं ने भी अंग्रजों को परास्त करके देश को स्वतंत्र कराने में बड़ी भूमिका निभाई।

आईएएस टीना डाबी के नाम पर अधिकारी से मांगा उपहार, हुई पड़ताल तो खुल गई पोल

जैसलमेर (एजेंसी)।

देश की चर्चित भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी और वर्तमान में जैसलमेर जिला कलेक्टर टीना डाबी के नाम से ठगी के प्रयास का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने अपने वॉट्सऐप पर जैसलमेर जिला कलेक्टर टीना डाबी का फोटो लगाकर जैसलमेर की ही एक अधिकारी से ठगी का प्रयास किया। हालांकि आरोपी ऐसा करने में सफल नहीं हो पाया।

बताया गया कि आरोपी ने व्हॉट्सऐप डीपी में जिला कलेक्टर टीना डाबी का फोटो लगाकर जैसलमेर में ही यूआईटी के सचिव सुनीता चौधरी से ठगी की कोशिश की गई। यूआईटी सचिव सुनीता चौधरी ने बताया कि उनके व्हॉट्सएप पर अंग्रेजी में लिखा हुआ एक मैसेज आया जिसमें डीपी पर कलेक्टर मैडम का फोटो था, लेकिन नंबर कोई और था। चौधरी ने बताया कि पहले तो उन्हें लगा कि कलेक्टर मैडम कोई काम है तभी उन्होंने मैसेज किया है। उन्होंने बताया कि मैसेज में अमेजॉन गिफ्ट कार्ड के जरिए पेमेंट की मांग की गई थी, जिसके बाद उन्होंने कलेक्टर मैडम को फोन किया, तब मामले की सच्चाई सामने आई। जैसे ही जिला कलेक्टर टीना डाबी को जानकारी मिली उन्होंने तुरंत जिला पुलिस अधीक्षक की जानकारी दी जिसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक ने साइबर टीम की मदद से मामले की जांच शुरू की।

बताया गया कि मामले की जांच के दौरान जैसलमेर पुलिस की साइबर सेल को व्हाट्सऐप नंबर डूंगरपुर से संचालित होने की जानकारी मिली। जिसके बाद जैसलमेर पुलिस ने तुरंत ही डूंगरपुर पुलिस को इसकी जानकारी दी। जैसलमेर पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर डूंगरपुर पुलिस ने इस मामले में एक युवक को हिरासत में लिया। समाचार लिखे जाने तक पुलिस उस युवक से पूछताछ कर रही थी। गौरतलब है कि बीते दिनों बाड़मेर में राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम पर इसी तरह की ठगी का मामला सामने आया था। आरोपी ने अपने फोन नंबर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का फोटो लगाकर बाड़मेर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओमप्रकाश से तीन की मांग की थी। हालांकि अधिकारी की सावधानी के चलते आरोपी ठगी की कोशिश में सफल नहीं हो पाया। इस मामले में अधिकारी ने पुलिस को भी सूचना दी थी लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है।

चीन की मोबाइल कंपनियों पर बैन की तैयारी में भारत सरकार, माइक्रोमैक्स, लावा और कार्बन को मिल जाएगी संजीवनी

नयी दिल्ली, (एजेंसी)।

भारत सरकार कथित तौर पर माइक्रोमैक्स, लावा, कार्बन और अन्य घरेलू ब्रांडों को बढ़ावा देने के लिए चीन कंपनियों पर सरकार बैन की तैयारी कर रही है। 12,000 रुपये से कम के स्मार्टफोन को बेचने पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है। सोमवार को सामने आए सूत्रों का हवाला देते हुए ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश ÷चीनी स्मार्टफोन निर्माताओं को अपने लड़खड़ाते घरेलू उद्योग को किक-स्टार्ट करने के लिए 12,000 रुपये से सस्ता डिवाइस बेचने से प्रतिबंधित करना चाहता है। कहा जा रहा है कि कम कीमत वाले चीनी कंपनियों के मोबाइल पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। इससे माइक्रोमैक्स, लावा और कार्बन जैसी भारतीय मोबाइल निर्माता कंपनियों को संजीवनी मिल जाएगी।

देश में सबसे ज्यादा स्मार्टफोन बेचने के मामले चीन की कंपनी शाओमी पहले नंबर पर है। शाओमी के अलग-अलग मॉडल के एंड्रायड फोन देशभर में खूब इस्तेमाल किए जाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार के निर्देशानुसार सूचना और प्रसार मंत्रालय चीन की मोबाइल कंपनियों पर बैन लगाने की तैयारी कर रहा है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार सरकार की मंशा अगर सच है तो Xiaomi और Realme जैसी कंपनियों को एक बड़ा झटका लगेगा, जिन्होंने भारत में उप-. 150 (12,000 रुपये और उससे कम) खंड में लगभग 50 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी पर कब्जा किया हुआ है। सरकार की तरफ से मोबाइल बनाने वाली कंपनियों माइक्रोमैक्स, लावा, कार्बन और अन्य घरेलू ब्रांडों को बढ़ावा देने के लिए ये फैसला करने जा रही है। रिपोर्ट की माने तो भारत सरकार की तरफ से चीन की स्मार्टफोन कंपनियों पर कम कीमत वाले स्मार्टफोन बेचने पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है। इसके तहत चीन की कंपनियां 12 हजार रुपये से कम कीमत के स्मार्टफोन भारत में नहीं बेच पाएगी।

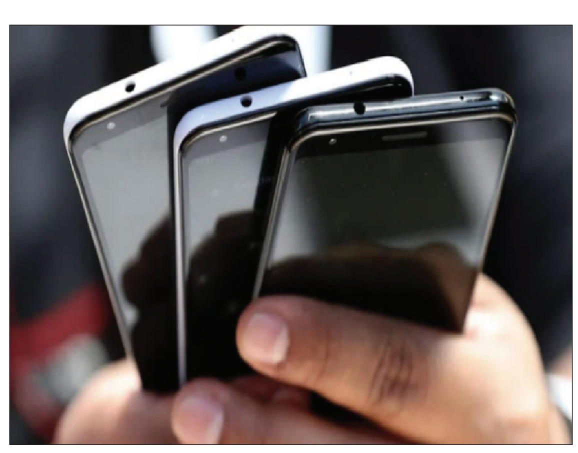

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

चोरी के इरादे से घर में घुसने क प्रयास कर रहे शख्स की नीचे गिरने से हुई मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,शहर के कापोद्रा क्षेत्र की एक सोसायटी के मकान में चोरी के इरादे से घुसने का प्रयास कर रहा शख्स धड़ाम से नीचे जा गिरी। इस घटना में सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। कापोद्रा पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक सूरत में कापोद्रा क्षेत्र की ममता पार्क सोसायटी में रोनक सवजीभाई जासोलिया परिवार के साथ रहते हैं। रोकन जासोलिया के घर में रात्रि के दौरान चोरी के इरादे से नकाबपोश एक शख्स घुसने का प्रयास कर रहा था। उस वक्त मकान की गैलरी से नकाबपोश शख्स नीचे जा गिरा। इस घटना में सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौत हो गई। सुबह जब रोनक जासोलिया ने नकाबपोश शख्स को देखा तो तुरंत कापोद्रा पुलिस को घटना की जानकारी दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि मृतक अजय उर्फ बोडो रामु वसावा के खिलाफ घरफोड चोरी के 11 मामले दर्ज हैं। जिसमें अमरोली में 9, कोसंबा और राजपीपला में 1-1 मामले शामिल हैं।

ताजिया जुलूस के दौरान 15 लोगों को लगा बिजली का करंट, दो शख्सों की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मोहर्रम की पूर्व संध्या पर जामनगर में निकले ताजिया के जुलूस के दौरान 15 लोगों को बिजली करंट लगने से अफरातफरी मच गई। इस घटना में दो शख्सों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक जमनगर के धारानगर क्षेत्र में सोमवार की देर रात ताजिया जुलूस निकाला गया था। उस वक्त ताजिया का ऊपरी हिस्सा बिजली के तार को छू गया। ताजिया के बिजली के तार को छूते ही चिंगारी निकली और ताजिया के साथ खडे 15 लोगों को जबर्दस्त करंट लगा। घटना के बाद वहां लोगों में अफरातफरी मच गई। बिजली के करंट से घायल लोगों को तुरंत जामनगर के जीजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जहां दो युवकों की उपचार के दौरान मौत हो गई। खबर मिलते ही जिला पुलिस अधीक्षक प्रेमसुख डेलू अस्पताल पहुंच गए और घटना के बारे में जानकारी ली तथा पुलिस अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने का आदेश दिया।

पत्नी का पति की हत्या को दुर्घटना में खपाने का प्रयास, मृतक के शरीर की चोटों ने खोली पोल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,शहर के छाणी क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति की लोहे के राड से गला दबाकर और बिजली करंट देकर मौत के घाट उतार दिया और बाद में इसे प्राकृतिक मौत में खपाने का प्रयास किया। लेकिन मृतक के शरीर की चोटों ने महिला की करतूत का भांडा फोड़ दिया। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के छाणी में सोमेश्वर महादेव के सामने वीएमसी क्वार्टर्स में 42 वर्षीय नवीन गोरधनभाई शर्मा पत्नी रंजन, 8 वर्षीय बेटा और 6 वर्षीय बेटी के साथ रहते थे। बगल के फ्लैट में नवीन शर्मा के पिता 80 वर्षीय गोरधनभाई शर्मा रहते हैं। रात्रि के वक्त नवीन की पत्नी अपने बेटे-बेटी के साथ ससुर के फ्लट में सो गई थी। सुबह करीब साढ़े छह बजे अपने पति के फ्लैट में पहुंची और चीखने चिल्लाने लगी। बहु की आवाज सुनकर उसके गोरधनभाई शर्मा अपने बेटे के फ्लैट पहुंचे और नवीन को निस्तेज पड़ा देख तुरंत एम्ब्युलैंस 108 को बुला लिया। घटनास्थल पर पहुंची एम्ब्युलैंस 108 की टीम को नवीन के गले और हाथ-पैर में चोट के निशान देख संदेह हुआ और उसने फतेगंज पुलिस को इसकी जानकारी दे दी। घटनास्थल पर पुलिस के पहुंचने के बाद साफ हो गया कि यह हत्या का मामला है। जिसके बाद पुलिस ने नवीन की पत्नी रंजन से सख्ती से पूछताछ की, जिसमें वह टूट गई और कबूल कर लिया कि उसने ही अपने पति की हत्या की है। पुलिस की पूछताछ में रंजन ने बताया कि उसका पति कोई काम नहीं करता था। वह आसपास के घरों में काम कर अपना और बच्चों का पालन-पोषण करती थी। रंजन ने बताया कि नवीन ने उसकी चरित्र पर संदेह करते हुए उसके साथ मारपीट की थी। जिसकी वजह से उसने पहले लोहे के रॉड से नवीन का गला दबाया और उसके बाद पैर बांधकर बिजली का करंट दिया। पति की हत्या को प्राकृतिक मौत में खपाने के लिए वह अपने बच्चों को लेकर रात्रि के दौरान ही अपने ससुर के फ्लैट में चली गई थी और वहीं सो गई थी।

सुबह बच्चों को स्कूल भेजने के बाद पति के फ्लैट में पहुंची और चीख-पुकार कर अपने ससुर को बुलाया। नवीन की मौत के बाद उसके बेटे और बेटी की जिम्मेदारी भी गोरधनभाई शर्मा पर आ गई है। गोरधनभाई शर्मा का एक बेटे ने 6 साल पहले आत्महत्या कर ली थी और अब दूसरे बेटे की भी मौत हो गई है।

'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल आज अहमदाबाद में,महिलाओं को देंगे गारंटी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आम आदमी पार्टी (आप) संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल फिर एक बर गुजरात आ रहे हैं। 10 अगस्त को अरविंद केजरीवाल अहमदाबाद में टाउनहोल कार्यक्रम में महिलाओं के संवाद करेंगे। बता दें कि पहले यह कार्यक्रम बनासकांठा के पालनपुर में होनेवाला था, लेकिन अब इसका आयोजन अहमदाबाद के वैष्णोदेवी सर्कल के निकट किया गया है। अहमदाबाद में होनेवाले इस कार्यक्रम में अरविंद केजरीवाल महिलाओं के संवाद करेंगे और राज्य की महिलाओं के लिए कोई बड़ी घोषणा कर सकते हैं। गुजरात विधानसभा के चुनाव इस वर्ष के अंत में होने हैं और चुनाव को लेकर भाजपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी समेत अन्य राजनीतिक दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। दिल्ली और पंजाब के बाद अब गुजरात के वोटरों को लुभाने के लिए अरविंद केजरीवाल एक के बाद एक बड़े बड़े वादे कर रहे हैं। अब तक अरविंद केजरीवाल गुजरात में सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली फ्री और पुराने बिलों को माफ करने, 10 लाख युवकों को रोजगार देने और नौकरी मिलने तक प्रति महीने रु 3000 बेरोजगारी भत्ता देने की गारंटी दे चुके हैं। तीन दिन पहले जामनगर में केजरीवाल ने व्यापारियों से मुलाकात की थी। जिसमें केजरीवाल ने गुजरात में आप की सरकार बनने पर व्यापारियों को सम्मान देने, डर का माहौल खत्म करने, छापेमारी बंद करने, वैट एमएनएसटी योजना लाने और ट्रेडर्स को पार्टनर व ट्रेडर्स एडवाजरी बनाने की गारंटी दी थी। व्यापारी और उद्यमियों से मुलाकात के बाद अब फिर एक बार अरविंद केजरीवाल गुजरात आ रहे हैं और अबकी बार राज्य की महिलाओं को गारंटी देंगे।